हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 30 : जौनपुर, मंगलवार 24 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

## फिलिस्तीन में भारत ने उतारा अपना विमान

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इजरायली घेराबंदी के बीच मानवीय सहायता के साथ 20 ट्रक गाजा पट्टी में दाखिल हुए। उधर, भारत ने भी जंग से कराह रहे फिलिस्तीन के लिए बड़ा दिल दिखाते हुए फूड आइटम्स और दवाओं से भरा प्लेन भेजा है। भारत ने बढ़ते नागरिक हताहतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के महत्व को रेखांकित करते हुए और एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फिलिस्तीन राज्य के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराते हुए हमास आतंकवाद के मुद्दे पर इजराइल को अपने समर्थन को संतुलित करने की कोशिश की है। राष्ट्रपति महमूद अब्बास के साथ बातचीत में पीएम मोदी ने उनसे कहा था कि भारत फिलिस्तीन को मानवीय सहायता देना जारी रखेगा। भारत की सहायता एक क्षण भी जल्दी नहीं आई है ।

## अखिलेश बोले सपा का लक्ष्य भाजपा को रोकना है

लखनऊ (एजेन्सी)। लखनऊ में पार्टी कार्यालय के बाहर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को भावी प्रधानमंत्री घोषित करते हुए एक पोस्टर लगा है। इसको लेकर सियासी बवाल मच गया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच जारी तनातनी के दौरान ही यह पोस्टर लगा है। यही कारण है कि इंडिया गठबंधन को लेकर भी चर्चा होने लगी है। इन सब के बीच अखिलेश यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सिर्फ पोस्टर लगाने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बनने वाला. अगर किसी समर्थक ने पोस्टर लगाया है तो वह जो चाहता है, वही जाहिर कर रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि समाजवादियों का लक्ष्य भाजपा को रोकना है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब से इंडिया गठबंधन बना है,।

## महुआ मोइत्रा के साथ थरूर की फोटो हुई वायरल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य शशि थरूर ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के साथ उनकी क्रॉप्ड तस्वीरों के प्रसार की आलोचना करते हुए इसे ष्ओछी राजनीतिष कहा। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने स्पष्ट किया कि वह मोइत्रा की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुए थे, जिसमें उनकी बहन सहित लगभग 15 लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान ली गई तस्वीर का क्रॉप्ड वर्जन दिखाकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। शशि थरूर ने कहा कि ये सिर्फ ओछी राजनीति है। यह उस बच्चे की जन्मदिन की पार्टी थी। खैर, वह बच्ची नहीं है, लेकिन मेरे लिए वह बच्ची जैसी है। उन्होंने कहा कि वह सांसद मुझसे करीब 20 साल छोटी है।

## कितनी कामयाब होगी जिनपिंग की कूटनीति?

नई दिल्ली (एजेन्सी)। बीजिंग में हुए तीसरे बेल्ट एंड रोड फोरम (बीआरएफ) से पहले चीनी विदेश मंत्रालय हमेशा उन विश्व नेताओं के नाम साझा करने के लिए उत्सुक था जो फोरम में भाग लेंगे। इसमें केवल इतना कहा जाएगा कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों सहित 130 से अधिक वैश्विक नेता भाग लेंगे। बीआरएफ के निष्कर्ष के बाद, यह अब कोई रहस्य नहीं रह गया है कि बीजिंग इस जानकारी को साझा करने में क्यों आनाकानी कर रहा था। चीन द्वारा प्रचारित 130 वैश्विक नेताओं में से, विभिन्न देशों के केवल 22 राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों ने मंच में भाग लिया। हालांकि एक पूर्ण संख्या के रूप में यह महत्वहीन नहीं लग सकता है, लेकिन चीन द्वारा आयोजित पहले दो मंचों में वैश्विक नेताओं की भागीदारी

## सीएम योगी ने पांव पखार किया कन्या पूजन एवं विजय दशमी की दी शुभकामनाएं, बोले– सनातन ने दिखाया मानवता का मार्ग

गोरखपुर (एजेन्सी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर आए हुए हैं। उन्होंने नवमी की शुभकामना देते हुए कहा कि आज विजयादशमी का त्योहार है। यह धर्म, सत्य और न्याय की जीत का त्योहार है... हर युग और हर स्थिति में, जब भी बुरी शक्तियां अधिक प्रभावशाली दिखाई देती हैं, तब सनातन धर्म ने हमेशा उन बुरी शक्तियों को एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया है और देश और उसके लोगों के कल्याण के लिए काम किया है। सनातन हमेशा मानवता का मार्ग भी दिखाता है। बता दें कि जगतजननी मां आदिशक्ति की आराधना के विशिष्ट अवसर शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीठ की परंपरा का निर्वहन कर अपने ध्येय को और मजबूती दी। सोमवार सुबह नवरात्र की नवमी पर सीएम योगी ने विधि विधान से कन्या पूजन कर मातृशक्ति की आराधना की। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। बता दें कि सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में रविवार शाम को अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान सीएम ने त्योहार को लेकर विशेष रूप से चर्चा की। कहा कि दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर खास सतर्कता बरतने की जरूरत है। खासकर हर प्रमुख रूट पर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम होनी चाहिए। सीएम ने अधिकारियों से शहर में चल रहे विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। कहा कि सभी विकास कार्यों को समय से गुणवत्ता के साथ पूरा कराएं। सीएम ने दशहरा को लेकर पुलिस–प्रशासन के तैयारियों की जानकारी ली। जगतजननी मां आदिशक्ति की आराधना के विशिष्ट अवसर शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीठ की परंपरा का निर्वहन कर अपने ध्येय को और मजबूती दी। सोमवार सुबह नवरात्र की नवमी पर सीएम योगी ने विधि विधान से कन्या पूजन कर मातृशक्ति की आराधना की। मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे, चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया, दक्षिणा और उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परम्परा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन भी किया। कन्या पूजन अनुष्ठान में सोमवार सुबह मुख्यमंत्री ने मठ के प्रथम तल पर स्थित भोजन कक्ष में श्रद्धाभाव से परंपरागत रूप से पीतल के परात में, चांदी के लोटे में भरे जल से नौ कुंवारी कन्याओं के बारी–बारी पांव धोये। उनके मस्तक पर रोली, चंदन, दही, अक्षत, दूर्वा का तिलक लगाया। चुनरी ओढ़ाकर, उपहार एवं दक्षिणा प्रदान कर आशीर्वाद लिया। आरती उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं समेत सौ से अधिक कन्याओं व छोटे बालकों को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद योगी ने अपने हाथों से परोसा। नौ कन्याओं के अतिरिक्त सैकड़ों की संख्या में पहुंची बालिकाओं और बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दिया गया।

## दिल्ली में लगातार खराब हो रही हवा, 8 और हॉटस्पॉट की पहचान

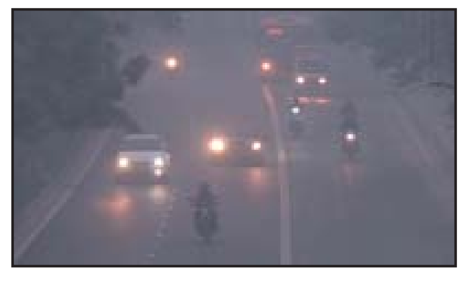

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को मौजूदा 13 के अलावा शहर भर में आठ और हॉटस्पॉट की पहचान की, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 का आंकड़ा पार कर गया। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि ष्स्थानीय कारणोंष से कई क्षेत्रों में ।फ्ष का स्तर गिरकर श्बहुत खराबश श्रेणी में आ गया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में प्रदूषण के कारण की पहचान करने के लिए विशेष टीमें तैनात की जाएंगी। मंत्री ने यह भी कहा कि अधिकारी धूल प्रदूषण को रोकने के लिए धूल दमनकारी पाउडर का उपयोग करेंगे। दिल्ली में सोमवार सुबह एक्यूआई 309 दर्ज किया गया और कई स्थानों पर सूचकांक 333 से भी कम रहा। राय ने राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर एक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट हैं। आज, शादीपुर, मंदिर मार्ग, पटपड़गंज, सोनिया विहार और मोती बाग सहित 8 अन्य बिंदुओं पर स्थानीय कारणों से ।फ्ष स्तर 300 से ऊपर देखा गया। प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की पहचान और निरीक्षण के लिए यहां विशेष टीमें तैनात की जाएंगी। राय ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टरों को 25 अक्टूबर को क्षेत्र का दौरा करने और प्रदूषण शमन उपायों का सख्ती से कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

## कांग्रेस सरकार बनने पर फिर माफ होंगे किसानों के कर्ज : भूपेश बघेल

**छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सत्ता बरकरार रखने पर किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के सत्ता बरकरार रखने पर किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया है। बघेल ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में किसानों को निर्णायक कारक बताया था और कहा था कि उनकी सरकार ने उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। 90 सदस्यीय सदन में 75 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखने वाले बघेल को लगता है कि कांग्रेस के पक्ष में सबसे बड़ा कारक किसान हैं। उन्होंने दावा किया है कि महिलाएं, युवा और व्यवसायी भी बड़े पैमाने पर सबसे पुरानी पार्टी का समर्थन करेंगे। भूपेश बघेल ने दो चरण के विधानसभा चुनाव से पहले कहा कि जब हम राज्य में फिर से सरकार बनाएंगे तो हम किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। उन्होंने लिखा कि आज चौथी घोषणा हमारे किसानों को समर्पित। अभी तक हमने 4 घोषणा कर दी हैं। पूर्व की तरह इस बार भी होगा किसानों का कर्ज माफ। जातिगत जनगणना करेंगे। 20 क्विंटलध्एकड़ धान खरीदेंगे। 17.5 लाख परिवार को हम आवास देंगे। पिछले चुनाव में भाजपा का सफाया हो गया था और वह केवल 15 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। कांग्रेस ने 68 सीटें जीतीं। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में 7 नवंबर (20 सीटें) और 17 नवंबर (70 सीटें) को मतदान होगा। सभी 90 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती 3 दिसंबर को की जाएगी। भाजपा ने राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उम्मीदवारों को लेकर भूपेश बघेल ने कहा था कि वह जल्द ही होगा... हमने सारी कवायद कर ली है लेकिन बीजेपी क्यों इंतजार कर रही है। एक–एक करके सूचियां जारी कर रहे हैं, पंडरिया की सूची जारी की और अब फिर फंस गए हैं। 90 सदस्यीय सदन में 75 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखने वाले बघेल को लगता है कि कांग्रेस के पक्ष में सबसे बड़ा कारक किसान हैं। उन्होंने दावा किया है कि महिलाएं, युवा और व्यवसायी भी बड़े पैमाने पर सबसे पुरानी पार्टी का समर्थन करेंगे। भूपेश बघेल ने दो चरण के विधानसभा चुनाव से पहले कहा कि जब हम राज्य में फिर से सरकार बनाएंगे तो हम किसानों का कर्ज माफ कर देंगे। उन्होंने लिखा कि आज चौथी घोषणा हमारे किसानों को समर्पित। अभी तक हमने 4 घोषणा कर दी हैं। पूर्व की तरह इस बार भी होगा किसानों का कर्ज माफ। जातिगत जनगणना करेंगे। 20 क्विंटलध्एकड़ धान खरीदेंगे। 17.5 लाख परिवार को हम आवास देंगे। पिछले चुनाव में भाजपा का सफाया हो गया था और वह केवल 15 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी।

## क्रिकेट प्रमियों के लिए बुरी खबर, स्पिन दिग्गज बिशन सिंह बेदी का निधन

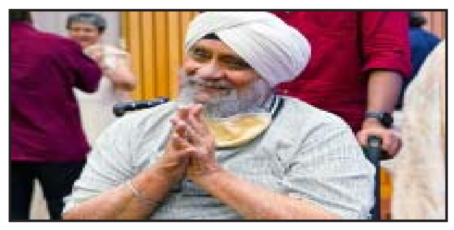

नई दिल्ली (एजेन्सी)। क्रिकेट के दिग्गज और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी का सोमवार (23 अक्टूबर) को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बेदी एक प्रतिष्ठित स्पिनर थे जो अपने असाधारण कौशल के लिए प्रसिद्ध थे। अपने शानदार करियर के दौरान, जो 1967 से 1979 तक चला, बेदी ने 67 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, और अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने अपनी धीमी बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिन गेंदबाजी से कुल 266 विकेट हासिल किए। उन्होंने देश के लिए खेले गए 10 एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में सात विकेट झटके। बीसीसीआई ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बीसीसीआई भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान और महान स्पिनर बिशन सिंह बेदी के निधन पर शोक व्यक्त करता है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी अब हमारे बीच नहीं रहे। यह बहुत दुखद खबर है। हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। जब मैं पंजाब के लिए खेलता था, तब वह कोच थे। यह क्रिकेट जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने कहा कि यह क्रिकेट जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

## वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत अपनी-अपनी पार्टी पर भारी!

**दोनों नेताओं को पार्टी के भीतर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है दोनों के समक्ष पार्टी नेतृत्व के फैसले को भी स्वीकार करने की एक बड़ी चुनौती है**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजस्थान विधानसभा चुनाव को देखते हुए दो नेताओं पर सबकी नजर है। एक कांग्रेस के अशोक गहलोत है जो वर्तमान में राज्य के मुख्यमंत्री हैं और एक भाजपा की वसुंधरा राजे हैं जो राजस्थान में दो बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। पिछले 20 वर्षों के इतिहास को देखें तो इन्हीं दोनों के इर्द–गिर्द राज्य की राजनीति घूमती रही है। हालांकि, 2023 का विधानसभा चुनाव इन दोनों नेताओं के लिए किसी बड़ी परीक्षा से काम नहीं है और अगर हम दूसरे शब्दों में कहें तो शायद इन दोनों नेताओं के लिए यह आखरी सियासी दांव भी होगा। दोनों नेताओं को पार्टी के भीतर भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और वर्तमान में इन दोनों के समक्ष पार्टी नेतृत्व के फैसले को भी स्वीकार करने की एक बड़ी चुनौती है। सबसे पहले बात वसुंधरा राजे की करें तो 2018 के विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद कहीं ना कहीं वह पार्टी में हाशिए पर जाती दिखीं। जब भाजपा ने सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष बनाया तब भी वसुंधरा राजे नाराज हुई थीं। वसुंधरा राजे के विरोधी गुट को प्रदेश अध्यक्ष कि जिम्मेदारी सौंप कर भाजपा ने भी कोई बड़ा संदेश देने की कोशिश की। हालांकि पार्टी का यह दांव कामयाब नहीं हो सका। फिलहाल राजस्थान में वसुंधरा के भविष्य पर अटकलें का दौर जारी है। हालांकि, वसुंधरा राजे को पार्टी ने उनके पारंपरिक सीट झालरापाटन से मैदान में उतार दिया है। लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री का उम्मीदवार नहीं बनाया है। पार्टी सामूहिक नेतृत्व पर जोर दे रही है। हालांकि फिलहाल उन्हें पार्टी की ओर से भरोसे में लिया जा रहा है। अशोक गहलोत के लिए राजस्थान में पिछले 5 सालों में कई चुनौतियां आई। सत्ता के शीर्ष पर रहने के बावजूद भी उन्होंने पार्टी के भीतर के विरोध का भी सामना किया। सचिन पायलट जैसे नेता लगातार उन्हें चुनौती दे रहे थे। हालांकि, अशोक गहलोत को विधायकों का समर्थन लगातार मिलता रहा। यही कारण है कि पार्टी आलाकमान भी चाह कर भी कुछ बड़े कदम नहीं उठा सका। वर्तमान में देखें तो पार्टी ने सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच के मनमुटाव को खत्म करने की कोशिश की। इसी से जुड़े एक सवाल पर अशोक गहलोत ने कहा कि उन्होंने पायलट पक्ष के किसी भी उम्मीदवार का विरोध नहीं किया। हालांकि अशोक गहलोत के तीन करीबी नेताओं को अभी भी आलाकमान ने टिकट से दूर रखा है। ये तीन नाम शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौर के हैं। राजस्थान में पिछले तीन–चार सालों के सियासत में इन तीनों नाम की चर्चा खूब रही है। गहलोत हर हाल में राजस्थान में सत्ता की कमान अपने हाथ में रखना चाहते हैं।

## आयरन स्टिंग मोर्टार से हमास के ठिकाने नेस्तनाबूद, इजरायली सेना ने जारी किया वीडियो

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइली वायु सेना ने हाई–टेक आयरन स्टिंग प्रणाली का फुटेज जारी किया, क्योंकि यह पहली बार परिचालन उपयोग में आया था। विशेष रूप से, इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) मैगलन इकाई ने गाजा पट्टी में हमास के रॉकेट लॉन्चरों को निशाना बनाने और दर्जनों आतंकवादियों को विफल करने के लिए अभिनव हथियार का इस्तेमाल किया। मैगलन यूनिट ने वायु सेना के सहयोग से स्टील स्टिंग नामक एक अभिनव और सटीक मोर्टार बम सहित विभिन्न हथियारों का उपयोग करके दर्जनों आतंकवादियों को विफल कर दिया। इजराइली वायु सेना ने वीडियो के साथ एक्स पर पोस्ट किए गए ष्स्टील स्टिंगरष का उपयोग करके रॉकेट लॉन्चर पर हमले का दस्तावेजीकरण देखें। वीडियो में 120 मिमी मोर्टार को दुश्मन के रॉकेट लॉन्चर को नष्ट करते हुए दिखाया गया है। आयरन स्टिंग एक 120 मिमी मोर्टार युद्ध सामग्री है जो लेजर और जीपीएस मार्गदर्शन दोनों से सुसज्जित है और इसकी सीमा 1–12 किमी है। इसे एल्बिट सिस्टम्स द्वारा विकसित किया गया था और पहली बार 2021 में रक्षा मंत्रालय, आईडीएफ ग्राउंड फोर्सेज और एल्बिट द्वारा इसका खुलासा किया गया था। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मोर्टार को खुले इलाके और शहरी वातावरण दोनों में उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है,।

## दिल्ली में इजराइल दूतावास के पास प्रदर्शन, वामपंथी छात्र संगठन ने निकाली रैली

**सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने पिछले साल कुर्दिश-ईरानी महसा अमिनी की हिरासत में हुई थी मौत**

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने पिछले साल कुर्दिश–ईरानी महसा अमिनी की हिरासत में हुई मौत की कवरेज के लिए दो पत्रकारों को वर्षों की जेल की सजा सुनाई। पिछले सितंबर में कथित तौर पर इस्लामिक ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में नैतिकता पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय अमिनी की मौत ने पूरे ईरान में कई महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था, जो दशकों में ईरान के मौलवी नेताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि निलोफर हामेदी और इलाहे मोहम्मदी को अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने सहित आरोपों में क्रमशः 13 और 12 साल जेल की सजा सुनाई गई। दोनों महिलाओं के वकीलों ने आरोपों को खारिज कर दिया है। शत्रुतापूर्ण अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उन्हें क्रमशः सात साल और छह साल मिले। फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने के लिए हर पांच साल की जेल और व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए हर एक साल की जेल, आईआरएनए ने बताया। हमीदी को तब हिरासत में लिया गया था जब उसने तेहरान के एक अस्पताल में अमिनी के माता–पिता की एक–दूसरे को गले लगाते हुए तस्वीर ली थी, जहां उनकी बेटी कोमा में पड़ी थी, और मोहम्मदी को उसके कुर्दिश गृहनगर साकेज में अमिनी के अंतिम संस्कार को कवर करने के बाद हिरासत में लिया गया था, जहां विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। ईरान के उप विशेष दूत अब्राम पाले ने सोशल मीडिया पर कहा कि कभी जेल नहीं जाना चाहिए था और हम उनकी सजा की निंदा करते हैं। ईरानी शासन पत्रकारों को जेल में डालता है क्योंकि वह सच्चाई से डरता है। यदि पुष्टि की जाती है, तो न्यायपालिका की मिजान समाचार एजेंसी के अनुसार महिलाओं ने पहले ही एविन जेल में जो समय बिताया है, वह सजा से काट लिया जाएगा, जहां अधिकांश राजनीतिक कैदी बंद हैं। पिछले साल अक्टूबर में ईरान के खुफिया मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में मोहम्मदी और हामेदी पर संयुक्त राज्य अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के एजेंट होने का आरोप लगाया गया था। मिजान ने बताया कि अमेरिकी सरकार से जुड़ी कुछ संस्थाओं और व्यक्तियों के साथ हमीदी और मोहम्मदी के जानबूझकर संबंधों के दस्तावेजी सबूत हैं। और इजरायल की रक्षा एजेंसी की तरफ से मोाद को कानूनी जानकारी के लिए बभेज दिया गया। इस बाबत इजरायरल की सरकार ने बताया कि हमास से जुड़े संगठनों की तरफ से लगातार ये. बात कही जा रही है. शत्रुतापूर्ण अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उन्हें क्रमशः सात साल और छह साल मिले। फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने के लिए हर पांच साल की जेल और व्यवस्था के खिलाफ दुष्प्रचार के लिए हर एक साल की जेल, आईआरएनए ने बताया।

## महसा अमीनी की मौत का मामला, न्यूज कवर करने वाले पत्रकारों को ईरान में जेल की सजा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी कोर्ट ने पिछले साल कुर्दिश–ईरानी महसा अमिनी की हिरासत में हुई मौत की कवरेज के लिए दो पत्रकारों को वर्षों की जेल की सजा सुनाई। पिछले सितंबर में कथित तौर पर इस्लामिक ड्रेस कोड का उल्लंघन करने के आरोप में नैतिकता पुलिस की हिरासत में 22 वर्षीय अमिनी की मौत ने पूरे ईरान में कई महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था, जो दशकों में ईरान के मौलवी नेताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने कहा कि निलोफर हामेदी और इलाहे मोहम्मदी को अमेरिकी सरकार के साथ सहयोग करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ काम करने सहित आरोपों में क्रमशः 13 और 12 साल जेल की सजा सुनाई गई। दोनों महिलाओं के वकीलों ने आरोपों को खारिज कर दिया है।

# सम्पादकीय

## क्या आपको पता है 'असली' धैर्य का मतलब?

क्या आपको जिज्ञासा है कि 'असली' धैर्य क्या होता है? जवाब इस कहानी में है। अगर असली धैर्य का मतलब जानने के लिए आपकी नजरें सीधे फंडा वाले पैराग्राफ या आखिरी तीन लाइनों पर जा रही हैं और आप तीन मिनट की कहानी भी नहीं पढ़ना चाहते, तो आपके लिए शायद असली धैर्य का मतलब समझना मुश्किल होगा। इसलिए एक–एक लाइन को धीरे–धीरे पढ़ें। बैंक ने ब्लू डार्ट कंपनी की कुरियर सेवा से मुझे कुछ जरूरी दस्तावेज भेजे। चूंकि मैं पिछले आठ दिन से सफर कर रहा था, इसलिए डिलीवरी बॉय ने दस्तावेज मेरे घर पर नहीं दिए। जबकि घरवालों ने आधार कार्ड समेत कई आईडी कार्ड दिखाए। मंगलवार शाम को डिलीवरी बॉय ने फोन करके पूछा कि मैं घर कब लौटूंगा। मैंने कहा, बुधवार सुबह तक वापस आ जाऊंगा क्योंकि मंगलवार देर रात को मेरी फ्लाइट थी। वादे के मुताबिक वह बुधवार को आया और मुझसे ओटीपी मांगा। फिर आधार कार्ड दिखाने कहा। मैंने उसे इंतजार करने कहा क्योंकि कार्ड मेरे पर्स में था। चूंकि मैं देर रात लौटा था और घर वालों को परेशान नहीं करना चाहता था, इसलिए अंधेरे में ही कहीं पर्स रख दिया और अब उसे खोजने में वक्त लग रहा था। पर्स खोजते हुए मैंने घर की मेड से संदेश भेजा कि मैं कार्ड ढूंढ रहा हूं, थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। पर्स खोजने में तीन मिनट से ज़्यादा लग गए। जब मैं लौटा, डिलीवरी बॉय जा चुका था। चूंकि वह मुझसे ओटीपी ले चुका था, इसलिए मैंने ब्लू डार्ट की कस्टमर रिलेशन मैनेजर सोनिया नायर को फोन किया, जिन्होंने तुरंत मुझे ऑपरेशन मैनेजर अनुराग वर्मा से कनेक्ट किया। डिलीवरी बॉय को तलाशा गया और धैर्य की कमी की वजह से उसे ऑफिस वापस आने कहा गया। किसी दूसरे लड़के से मेरा पार्सल भिजवाया गया। दरअसल पहले वाले डिलीवरी बॉय का अनुभव, कुछ ग्राहकों से साथ अच्छा नहीं रहा था, जो बिना आईडी कार्ड दिखाए उससे सामान ले लेते थे। उसे लगा कि मैं भी वैसा ही हूं और कार्ड दिखाने में जानबूझकर देर कर रहा हूं। किसी भी संस्थान में अलग–अलग सोच और अनुभव वाले लोग होते हैं। ब्लू डार्ट जैसी बड़ी कंपनी को यह ट्रेनिंग देनी चाहिए कि ग्राहक भी अलग–अलग अनुभव दे सकते हैं। अनुराग ने असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि कुछ कर्मचारी, ग्राहकों के बारे में कोई राय बना लेते हैं और उनमें धैर्य की कमी हो जाती है। तब मैंने अनुराग के साथ 'असली' धैर्य के मायने से जुड़ी कुछ बातें साझा कीं। एक अच्छा रिश्ता इसपर निर्भर नहीं होता कि हम किसी को कितने अच्छे से समझते हैं, बल्कि इसपर निर्भर होता है कि हम गलतफहमी से कैसे दूर करते हैं। उम्मीद का दामन थामने पर सबकुछ संभव होता है। हार न मानें। कभी–कभी आपको जिस चीज की उम्मीद होती है, वह अचानक ही मिलती है। आप दूसरों से खुद की तुलना जितनी कम करेंगे, मन उतना शांत रहेगा। आप दिनों की संख्या जैसे ही हैं। जब दिन बीतता है, तो आपके अंदर का एक हिस्सा भी बीत जाता है। जीवन का असली शृंगार यह है– होठों पर सच, आंखों में दया, आवाज में प्रार्थना, हाथों में दान, चेहरे पर मुस्कान और दिल में प्रेम। इन सभी से जीवन खूबसूरत बनाएं। याद रखें अच्छे लोग खुशी देते हैं, बुरे लोग अनुभव देते हैं, बहुत बुरे लोग सबक देते हैं और सर्वश्रेष्ठ लोग आपको यादें देते हैं। फंडा यह है कि धैर्य को, इंतजार में लगे समय से नहीं मापा जाता सकता। इसे मापने के लिए यह देखा जाता है कि इंतजार करते हुए आपका व्यवहार कैसा था। यही 'असली' या 'सच्चा' धैर्य होता है। मैंने कहा, बुधवार सुबह तक वापस आ जाऊंगा क्योंकि मंगलवार देर रात को मेरी फ्लाइट थी। वादे के मुताबिक वह बुधवार को आया और मुझसे ओटीपी मांगा। फिर आधार कार्ड दिखाने कहा। मैंने उसे इंतजार करने कहा क्योंकि कार्ड मेरे पर्स में था। चूंकि मैं देर रात लौटा था और घर वालों को परेशान नहीं करना चाहता था, इसलिए अंधेरे में ही कहीं पर्स रख दिया और अब उसे खोजने में वक्त लग रहा था। पर्स खोजते हुए मैंने घर की मेड से संदेश भेजा कि मैं कार्ड ढूंढ रहा हूं, थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। पर्स खोजने में तीन मिनट से ज़्यादा लग गए। जब मैं लौटा, डिलीवरी बॉय जा चुका था। चूंकि वह मुझसे ओटीपी ले चुका था, इसलिए मैंने ब्लू डार्ट की कस्टमर रिलेशन मैनेजर सोनिया नायर को फोन किया, जिन्होंने तुरंत मुझे ऑपरेशन मैनेजर अनुराग वर्मा से कनेक्ट किया। डिलीवरी बॉय को तलाशा गया और धैर्य की कमी की वजह से उसे ऑफिस वापस आने कहा गया। किसी दूसरे लड़के से मेरा पार्सल भिजवाया गया। दरअसल पहले वाले डिलीवरी बॉय का अनुभव, कुछ ग्राहकों से साथ अच्छा नहीं रहा था, जो बिना आईडी कार्ड दिखाए उससे सामान ले लेते थे। उसे लगा कि मैं भी वैसा ही हूं और कार्ड दिखाने में जानबूझकर देर कर रहा हूं।

## लगातार बदलते बाजार में क्या 'स्मार्ट मनी' सम्भव है?

डम्ब मनी' नामक नई फिल्म वॉलस्ट्रीट के अनुक्रम में उथलपुथल पैदा करती है। उसमें निवेशकों को मूढ़ और एमेच्योर्स को बुद्धिमान दर्शाया गया है। इसकी कहानी 2021 के मीम स्टॉक क्रेज (इंटरनेट सक्रियता से किसी कम्पनी के शेयर्स को लोकप्रियता मिलना) पर आधारित है। फिल्म की कथा असली कहानी शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाती है, जिसमें बिग हेज फंड्स को गच्चा देने की कोशिश करने वाले रीटेल निवेशकों को भारी नुकसान होता है। दर्शक कमजोर लोगों को जीतते देखना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ऐसा नहीं हुआ। पर इसने एक सवाल जरूर पैदा कर दिया– क्या स्मार्ट मनी जैसी कोई चीज होती है? 2000 के बाद से ऐसे केवल तीन वर्ष रहे हैं, जिनमें लार्ज कैप फंड्स ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। 2010 के दशक में, औसतन दस में से आठ म्युचुअल फंड्स और दस में से नौ इंस्टिट्यूशनल फंड्स ने अमेरिकी बाजार में उम्मीद से कमतर प्रदर्शन किया था। मार्केट–बीटर पेशेवरों के शेयर यूरोप, एशिया और शेष विश्व के स्टॉक मार्केट्स में भी इतने ही गिरे हुए थे। इसके बावजूद उन्होंने रीटेल–निवेशकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जो लगातार अपनी गलतियां दोहराते जाते हैं। वे सूचनाओं के बजाय 'माहौल' पर पैसा लगाते हैं और इस प्रवृत्ति को ऑनलाइन ट्रेडिंग साइट्स ने बहुत बढ़ावा दिया है। वहीं एमेच्योर्स जाने–पहचाने नामों के आधार पर धोखा खा जाते हैं। वे उन नामों की ओर स्वाभाविक झुकाव रखने लगते हैं, जिन्हें उन्होंने बहुत सुन रखा था, बनिस्बत इसके कि खुद रिसर्च करके असलियत जानें। वे भावनाओं से प्रेरित होकर भेड़चाल में शामिल हो जाते हैं। नतीजा– एक ऐसी भगदड़, जो घाटे की ओर जाती है। अध्ययन बताते हैं कि रीटेल–निवेशक हर महीने एक प्रतिशत कमजोर प्रदर्शन करते हैं। वे अति–आत्मविश्वास के घोड़े पर सवार होते हैं और सनसनी की तलाश में रहते हैं। वे जरूरत से ज्यादा ट्रेडिंग करते हैं। इन रीटेल–पंटर्स के गुट में सर्वाधिक सक्रिय 20: ऐसे हैं, जो सबसे कम सक्रिय 20: रीटेलरों की तुलना में कम रिटर्न पाते हैं। घाटा केवल इंडिविजुअल स्टॉक्स के ट्रेडर्स को ही नहीं होता। सक्रिय एमेच्योर्स की टाइमिंग इतनी बुरी होती है कि म्युचुअल फंड्स से पुलिंग–इन और आउट के समय उनके रिटर्न्स 20: कम हो जाते हैं। प्रो लोगों को यह अच्छी तरह पता है। वास्तव में वे इस नीति का सफलतापूर्वक पालन करते हैं कि देखें रीटेलरों की भीड़ किस तरफ जा रही है और फिर दूसरी दिशा में मुड़ जाएं। इसके बावजूद अधिकतर प्रो लोग भी उम्मीद से कमतर प्रदर्शन कर पाते हैं। कारण, मार्केट लगातार बदलती हुई आर्थिक–हकीकतों को दिखाता करता है और उसकी बदलती चाल के साथ तारतम्य बनाए रखना टेढ़ी खीर है। उच्चतर बुद्धिमत्ता तो खैर दुर्लभ है, लेकिन श्रेष्ठतम सूचनाओं की भी कीमत चुकानी होती है। यह भी देखा गया है कि सूचनाएं अनियमित होती हैं। इसका मतलब है प्रो लोगों की पहुंच उम्दा लेकिन महंगी वैरायटी तक रहती है और वे मुफ्त में मिलने वाली अफवाहों पर कान नहीं देते। सूचनाओं की श्रेष्ठता के बारे में कुछ और दिलचस्प अंतर्दृष्टियां हमें कम्पनी–इनसाइडर्स की लीगल ट्रेडिंग से मिलती हैं। सीनियर एग्जीक्यूटिव किसी कम्पनी के शेयर्स की अमूमन असामान्य उतार से पहले ही सेलिंग कर देते हैं और असामान्य चढ़ाव से पहले ही उन्हें खरीद लेते हैं। चीफ एग्जीक्यूटिव और चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर अपने से जूनियर की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, क्योंकि उनके पास बेहतर सूचनाएं होती हैं। स्थानीय सूचनाएं भी इतने ही काम की साबित हो सकती हैं।

# स्वतंत्रता और साझी विरासत के पैरोकार थे अशफाक

डॉ. नाज परवीन

गो कि सौ बार रोज ही उन्हें मरते देखा।।
मौत से वीर को हमने नहीं डरते देखा।
तख्ता–ए–मौत पे भी खेल ही करते देखा।
—अशफाक उल्ला खां

फांसी के फंदे पर ऐसे शान से चढ़े जैसे कोई अपनी शादी में घोड़ी न चढ़े। वीरों के इस लम्बी फेहरिस्त में एक नाम भारत मां के लाल अमर शहीद अशफाक उल्ला खां का भी आता है। ईमान जिसकी दौलत और आजाद भारत देखना जिसकी एकमात्र ख्वाहिशों की मंजिल थी। 22 अक्तूबर सन 1900 ई. में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में स्थित शहीद गढ़ में मोहम्मद शफीक उल्ला और महरूननिशा के घर एक असाधारण प्रतिभा के धनी बालक ने जन्म लिया। बचपन से ही पढ़ने–लिखने में उस बालक का ज्यादा मन न लगा शायद छोटी उम्र में कुछ बहुत बड़ा करने का इरादा था उसका। यह वो दौर था जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। किसी को नहीं पता था कि अंग्रेजी हुकूमत कब तक भारतीयों को अपनी ही धरती पर गुलाम बनाकर रखेगी। देश 1857 का संग्राम देख चुका था, अंग्रेजों की बदलती राजनीति और चालबाजी से वाकिफ हो चुका था। बालक अशफाक की बचपन से पसंद तैराकी, घुड़सवारी और निशानेबाजी में थी। कविताएं लिखकर अपनी बात कहने का शौक था। कहते हैं हसरत उपनाम से उन्होंने कविताऐं लिखी।

आजादी की खुली हवा में खुल कर सांस लेना, चौराहे पर खड़े होकर बेबाकी से अपनी बात रखना, अपनी मर्जी से पूरी आस्था के साथ अपने धर्म का पालन करना, रस्में निभाना, उत्सव मनाना बेशक आज आम बात लगे लेकिन गुलामी से आजादी तक का मुश्किल सफर हमारी पीढ़ी ने नहीं जिया। हमने किताबों में पढ़ा है कुछ खघस दिनों में जिया है। यह सब खुशनुमा माहौल, यह खूबसूरत विरासत जिस पर हम अपना दावा पेश करते हैं, जिसने आज चांद पर पानी की तलाश शुरू कर दी है, मंगल पर जीवन की तलाश पर लगा है, सब की सब कर्जदार है उन वीर सपूतों की जिन्होंने बिना किसी मोह माया के अपने परिवार को असुरक्षित छोड़ कर भारत की हिफाजत के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। फांसी के फंदे पर ऐसे शान से चढ़े जैसे कोई अपनी शादी में घोड़ी न चढ़े। वीरों के इस लम्बी फेहरिस्त में एक नाम भारत मां के लाल अमर शहीद अशफाक उल्ला खां का भी आता है। ईमान जिसकी दौलत और आजाद भारत देखना जिसकी एकमात्र ख्वाहिशों की मंजिल थी। 22 अक्तूबर सन 1900 ई. में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में स्थित शहीद गढ़ में मोहम्मद शफीक उल्ला और महरूननिशा के घर एक असाधारण प्रतिभा के धनी बालक ने जन्म लिया। बचपन से ही पढ़ने–लिखने में उस बालक का ज्यादा मन न लगा शायद छोटी उम्र में कुछ बहुत बड़ा करने का इरादा था उसका। यह वो दौर था जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। किसी को नहीं पता था कि अंग्रेजी हुकूमत कब तक भारतीयों को अपनी ही धरती पर गुलाम बनाकर रखेगी। देश 1857 का संग्राम देख चुका था, अंग्रेजों की बदलती राजनीति और चालबाजी से वाकिफ हो चुका था। बालक अशफाक की बचपन से पसंद तैराकी, घुड़सवारी और निशानेबाजी में थी।

कविताएं लिखकर अपनी बात कहने का शौक था। कहते हैं हसरत उपनाम से उन्होंने कविताऐं लिखी। जब महात्मा गांधी 9 जनवरी 1915 को भारत लौटे, भारतीय राजनीति एक नए मोड़ के लिए तैयार हो रही थी तब अशफाक उल्ला खां महज 15 वर्ष के रहे होंगे। बाल्यकाल और युवा अवस्था की मध्य बेला में ही अशफाक देश में होने वाले आंदोलनों और क्रांतिकारी परिवर्तनों से प्रेरित होकर क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल से बहुत प्रभावित हुए और रामप्रसाद बिस्मिल से मिलने की ख्वाहिश और उनके साथ जुड़ने की जद्दोजहद में लग गए। आगे चलकर रामप्रसाद बिस्मिल से मिले और क्रांति की दुनिया में शामिल हो गए। इसके बाद ऐतिहासिक काकोरी काण्ड में अपने अदम्य उत्साह और साहस का परिचय देकर अंग्रेजों के दांतों में पसीने ला दिए। इस दौरान वे पुलिस के हाथ न आए। काकोरी काण्ड के बाद वे बनारस आ गए और इंजीनियरिंग कंपनी में काम शुरू किया। उन्हें जो पैसे मिलते उससे वे अपने क्रांतिकारी साथियों की मदद में लगा देते।

काम के संबंध में विदेश जाने के लिए वे अपने एक पठान मित्र के संपर्क में आए। उस मित्र ने उनके साथ छल किया और पैसों के लालच में अंग्रेज पुलिस को सूचना देकर अशफाक उल्ला खां को पुलिस से पकड़वा दिया।

ब्रिटिश हुकूमत ने उनके पकड़े जाने के बाद उन्हें जेल में कठोर यातनाएं दी और सरकारी गवाह बनाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन अशफाक उल्ला खां न यातनाओं में टूटे न उनके क्रान्ति के उत्साह में कमी आई। उन्होंने हुकूमत के हर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अशफाक उल्ला खां भारत मां के शेर सपूतों की फेहरिस्त में सबसे आगे थे। उन्होंने फांसी के फंदे को गले का हार बनाया और ब्रिटिश हुकूमत ने 19 दिसम्बर, 1927 को अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जेल में फांसी दे दी। इस घटना ने भारत मां के अनेकों सपूतों में फौलादी उत्साह को भरने का काम किया। अंग्रेजी हुकूमत जिस दहशत को युवाओं में पैदा करना चाहती थी वो उत्साह और आजादी के जोश में तब्दील हो गई। अशफाक उल्ला खां की शहादत मिसाल कायम कर गई और आजादी की लड़ाई में हिन्दू–मुस्लिम एकता को और भी अधिक मजबूत कर गई। अशफाक उल्ला खां महज 27 वर्ष में अमरत्व को प्राप्त कर गए। आजादी की लड़ाई में आप युवाओं के हीरो बने और आज भी युवाओं में जोश भरने वाले क्रांतिकारियों में अपने मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ देखे जा सकते हैं। अशफाक उल्ला खां भारत मां का वो बहादुर लाल हैं जो युवाओं के हौसलों में, उत्साह में, क्रांति के नवाचार में आज भी जिन्दा है। देश के लिए शहादत देने वाले अशफाक उल्ला खां हिंदू–मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे और एकता की मिसाल कायम रखने वाले प्रतीक बन आज भी प्रासंगिक हैं। आज हम आजाद भारत में जीवन व्यतीत करते हैं, खुलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं, उत्सव मनाते हैं लेकिन हमें यह हरगिज नहीं भूलना चाहिए कि यह माहौल यह खूबसूरत मौसम जीना इतना आसान नहीं था। भारत और भारत की संस्कृति इन वीरों की विरासत है हमें इनके योग्य उत्तराधिकारी बनना होगा। भारत की साझी विरासत को विश्व में मिसाल कायम कर संजोए रखने की जिम्मेदारी अब हमारी है। फांसी के फंदे पर ऐसे शान से चढ़े जैसे कोई अपनी शादी में घोड़ी न चढ़े। वीरों के इस लम्बी फेहरिस्त में एक नाम भारत मां के लाल अमर शहीद अशफाक उल्ला खां का भी आता है।

ईमान जिसकी दौलत और आजाद भारत देखना जिसकी एकमात्र ख्वाहिशों की मंजिल थी। 22 अक्तूबर सन 1900 ई. में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में स्थित शहीद गढ़ में मोहम्मद शफीक उल्ला और महरूननिशा के घर एक असाधारण प्रतिभा के धनी बालक ने जन्म लिया। बचपन से ही पढ़ने–लिखने में उस बालक का ज्यादा मन न लगा शायद छोटी उम्र में कुछ बहुत बड़ा करने का इरादा था उसका। यह वो दौर था जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था। किसी को नहीं पता था कि अंग्रेजी हुकूमत कब तक भारतीयों को अपनी ही धरती पर गुलाम बनाकर रखेगी। देश 1857 का संग्राम देख चुका था, अंग्रेजों की बदलती राजनीति और चालबाजी से वाकिफ हो चुका था। बालक अशफाक की बचपन से पसंद तैराकी, घुड़सवारी और निशानेबाजी में थी। कविताएं लिखकर अपनी बात कहने का शौक था। कहते हैं हसरत उपनाम से उन्होंने कविताऐं लिखी। जब महात्मा गांधी 9 जनवरी 1915 को भारत लौटे, भारतीय राजनीति एक नए मोड़ के लिए तैयार हो रही थी तब अशफाक उल्ला खां महज 15 वर्ष के रहे होंगे। बाल्यकाल और युवा अवस्था की मध्य बेला में ही अशफाक देश में होने वाले आंदोलनों और क्रांतिकारी परिवर्तनों से प्रेरित होकर क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल से बहुत प्रभावित हुए और रामप्रसाद बिस्मिल से मिलने की ख्वाहिश और उनके साथ जुड़ने की जद्दोजहद में लग गए।

आगे चलकर रामप्रसाद बिस्मिल से मिले और क्रांति की दुनिया में शामिल हो गए। इसके बाद ऐतिहासिक काकोरी काण्ड में अपने अदम्य उत्साह और साहस का परिचय देकर अंग्रेजों के दांतों में पसीने ला दिए। इस दौरान वे पुलिस के हाथ न आए। काकोरी काण्ड के बाद वे बनारस आ गए और इंजीनियरिंग कंपनी में काम शुरू किया। उन्हें जो पैसे मिलते उससे वे अपने क्रांतिकारी साथियों की मदद में लगा देते। काम के संबंध में विदेश जाने के लिए वे अपने एक पठान मित्र के संपर्क में आए। उस मित्र ने उनके साथ छल किया और पैसों के लालच में अंग्रेज पुलिस को सूचना देकर अशफाक उल्ला खां को पुलिस से पकड़वा दिया। ब्रिटिश हुकूमत ने उनके पकड़े जाने के बाद उन्हें जेल में कठोर यातनाएं दी और सरकारी गवाह बनाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन अशफाक उल्ला खां न यातनाओं में टूटे न उनके क्रान्ति के उत्साह में कमी आई। उन्होंने हुकूमत के हर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अशफाक उल्ला खां भारत मां के शेर सपूतों की फेहरिस्त में सबसे आगे थे। उन्होंने फांसी के फंदे को गले का हार बनाया और ब्रिटिश हुकूमत ने 19 दिसम्बर, 1927 को अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जेल में फांसी दे दी। इस घटना ने भारत मां के अनेकों सपूतों में फौलादी उत्साह को भरने का काम किया। अंग्रेजी हुकूमत जिस दहशत को युवाओं में पैदा करना चाहती थी वो उत्साह और आजादी के जोश में तब्दील हो गई। अशफाक उल्ला खां की शहादत मिसाल कायम कर गई और आजादी की लड़ाई में हिन्दू–मुस्लिम एकता को और भी अधिक मजबूत कर गई। अशफाक उल्ला खां महज 27 वर्ष में अमरत्व को प्राप्त कर गए। आजादी की लड़ाई में आप युवाओं के हीरो बने और आज भी युवाओं में जोश भरने वाले क्रांतिकारियों में अपने मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ देखे जा सकते हैं। अशफाक उल्ला खां भारत मां का वो बहादुर लाल हैं जो युवाओं के हौसलों में, उत्साह में, क्रांति के नवाचार में आज भी जिन्दा है। देश के लिए शहादत देने वाले अशफाक उल्ला खां हिंदू–मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे और एकता की मिसाल कायम रखने वाले प्रतीक बन आज भी प्रासंगिक हैं। आज हम आजाद भारत में जीवन व्यतीत करते हैं, खुलकर अपने विचार व्यक्त करते हैं, उत्सव मनाते हैं लेकिन हमें यह हरगिज नहीं भूलना चाहिए कि यह माहौल यह खूबसूरत मौसम जीना इतना आसान नहीं था।

## बदलते मौसम में भी रखें खुद को सर्दी खांसी से इम्यून

कफ और कोल्ड यह ऋतु परिवर्तन के साथ शुरू होता है। जिसमें नाक और गले की म्यूकस मेम्ब्रेन सबसे पहले प्रभावित होती है। तापमान में हुए बदलाव और सूक्ष्म जीवों के प्रवेश से सबसे पहले ये भाग इंफ्लामेड हो जाते हैं और नाक से पानी गले में खराश होने लगती हैं। साथ ही साथ बुखार सिरदर्द शुरू हो जाता है, जिसे हम सर्दी जुखाम या कफ कोल्ड कहते हैं। ऋतु परिवर्तन से पहले यदि हम लाइफ स्टाइल और खान पान संतुलित और व्यवस्थित नहीं कर पाते। तो जल्दी ही बीमार पड़ जाते हैं। आयुर्वेद, प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है। जब सर्दी और खांसी जैसी सामान्य बीमारियों के प्रबंधन की बात आती है, तो आयुर्वेद प्राकृतिक उपचारों और प्रथाओं का खजाना प्रदान करता है जो समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इससे पहले कि आप सर्दी और खांसी के लिए उस ओवर–द–काउंटर दवा तक पहुंचें, आइए हम सर्दी और खांसी पर आयुर्वेदिक परिप्रेक्ष्य का पता लगाएं, आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से उनके कारणों को समझें, और प्रभावी उपचारों की खोज करें। 5 मूल तत्वों के संयोजन से आयुर्वेद के तीन स्तंभ या दोष बनते हैं, वात, पित्त और कफ। आयुर्वेद में, सर्दी और खांसी को दोषों, मुख्य रूप से वात दोष और कफ दोष में असंतुलन के रूप में देखा जाता है। दिखाई देने वाले संकेतों के अलावा, नाड़ी परीक्षा, एक बहुत लोकप्रिय आयुर्वेदिक तकनीक है जिसका उपयोग शरीर में दोष असंतुलन की जांच के लिए किया जाता है। यह उपचार प्रक्रिया तय करने में सहायक है। नाड़ी परीक्षण की सहायता से आयुर्वेद विशेषज्ञ आसानी से रोगों का निदान कर सकते हैं और रोग की गंभीरता का भी पता लगा सकते हैं। शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक असंतुलन का निदान किया जा सकता है। बीमारी का सटीक निदान किया जा सकता है। स्वस्थ्य समास्याओं के मूलकरण में पहुचने में मदद मिलती है। यदि किसी व्यक्ति का कफ और वित्त दोष असंतुलित है, या आम तौर पर कहें तो, यदि कोई व्यक्ति सर्दी से पीड़ित है, तो यह निम्नलिखित लक्षणों से आसानी से स्पष्ट हो जाता है : छींक आना खाँसना बहती नाक गला खराब होना नम आँखें वायरल बुखार सामान्य सर्दी आसानी से राइनोवायरस नामक एक सामान्य वायरस के कारण हो सकती है। यह वायरस आम तौर पर हमारे मुंह, नाक या आंखों के जरिए हमारे शरीर में प्रवेश करता है। यह इन माध्यमों से भी फैल सकता है। जब कोई अपना मुंह ढके बिना छींकता है तो हवा में गिरती बूंदें किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ हाथ से हाथ मिलाना संक्रमित व्यक्ति या स्थान के संपर्क में आने के बाद अपनी आंखों, नाक या मुंह को छूना यदि आप मुश्किल स्थिति में हैं बैद्यनाथ उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला पेश करता है जो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। कुछ उत्पाद जो दूसरों के लिए प्रभावी साबित हुए हैं वे आपके लिए भी फायदेमंद हो सकते हैं। जुकामो : जुकामो एक सिरप है जो नाक बहने की स्थिति में प्रभावी हो सकता है। श्री बैद्यनाथ के प्रतिष्ठित घर पर उपलब्ध इस उत्पाद का उपयोग साइनसाइटिस, सर्दी और फ्लू के इलाज के लिए किया जा सकता है, गले की खराश, वायरल–बुखार आदि को शांत करता है। कासामृत चबाने योग्य टैबलेटरू बैद्यनाथ कास्मृता चबाने योग्य टैबलेट एक अनोखा फॉर्मूलेशन है जो वायुमार्ग को चौड़ा करने में मदद करता है और अस्थमा को नियंत्रित रखता है। कंठ सुधारक बटीरू यह आपके गले की समस्याओं से राहत दिलाने के लिए जानी जाती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है, पेट ठीक करती है, भूख बढ़ाती है। इसका उपयोग ऊपरी श्वसन संक्रमण के इलाज के लिए किया जाता है। ऋतु परिवर्तन से पहले यदि हम लाइफ स्टाइल और खान पान संतुलित और व्यवस्थित नहीं कर पाते। तो जल्दी ही बीमार पड़ जाते हैं। आयुर्वेद, प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करती है। जब सर्दी और खांसी जैसी सामान्य बीमारियों के प्रबंधन की बात आती है, तो आयुर्वेद प्राकृतिक उपचारों और प्रथाओं का खजाना प्रदान करता है जो समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। इससे पहले कि आप सर्दी और खांसी के लिए उस ओवर–द–काउंटर दवा तक पहुंचें, आइए हम सर्दी और खांसी पर आयुर्वेदिक परिप्रेक्ष्य का पता लगाएं, आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से उनके कारणों को समझें, और प्रभावी उपचारों की खोज करें। 5 मूल तत्वों के संयोजन से आयुर्वेद के तीन स्तंभ या दोष बनते हैं, वात, पित्त और कफ।

# अफगानिस्तान का सिने-इतिहास और फिल्मों की दुनिया

रोया सदात निर्देशित 83 मिनट की फिल्म 'ए लेटर टू द प्रेसीडेंट' (2017) एक निम्न सरकारी अधिकारी सौरेया को एक स्त्री को गांव के दबंग से बचाने के अपराध में जेल में डाला गया है वह सींकचों के पीछे से अफगान के राष्ट्रपति से सहायता की गुहार का पत्र लिखती है। 2018 की डॉक्यूमेंट्री 'ए थाउजंड गर्ल्स लाइक मी' (76 मिनट) में सराह मानी ने एक 23 साल की स्त्री को उसके पिता द्वारा बलत्कृत होते दिखाया है। वह जनता के सामने नेशनल टीवी पर अपने शोषण की बात का खुलासा करती है और शोषणकर्ता को बचाने वाले अफगानी कानून पर प्रकाश डालती है। यह अभिनय नहीं है, अतरू शोषिता खैतेर ने स्वयं मुख्य काम किया है। 2020 में 'द रेड बाइसिकल' (फाजिला अमीरी) तथा 'काबुल गर्ल्स' दो उल्लेखनीय फिल्में यहां बनी हैं।

डॉ. विजय शर्मा

अफगान हमारा पड़ोसी देश है, जिससे हमारा बहुत पुराना संबंध है। अफगान के विषय में फिल्मी जानकारी पहली बार एक फिल्म के माध्यम से हुई। फिल्म का नाम है, 'एस्केप फ्रॉम तालिबान' 2003 की उज्जवला चटर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। सुस्मिता बनर्जी ने एक अफगान से विवाह किया और वे वहां बस गईं। फिर छः साल उनके साथ लोमहर्षक घटनाएं हुईं और वे किसी तरह वहां से बच निकलीं। मगर बच नहीं पाईं 2013 में उन्हें मार डाला गया। फिल्म में मनीषा कोइराला, नवाब खान, विनीत मलिक, पृथ्वी जुत्सी एवं अली खान ने बहुत अच्छा अभिनय किया है। इसी फिल्म में पहली बार अफगान का लोकेशन देखा। मगर यह फिल्म अफगानिस्तान की नहीं थी और हम बात कर रहे हैं अफगान सिने–इतिहास की। अमीर हबिबुल्लाह खान ने 1901–1919 तक अफगानिस्तान पर शासन किया और उन्होंने ने ही इस देश का फिल्म से परिचय कराया, मगर यह परिचय दरबार तक सीमित था। आम जनता तब तक इसे न देख सकी। जनता के लिए यह 1923–24 में ही सुलभ हुआ जब पहली बार 'मैजिक बॉक्स' या 'मैजिक लालटेन' के माध्यम से मूक फिल्म दिखाई गई। अफगानिस्तान में बहुत बाद में 1946 में जाकर पहली फिल्म 'लव एंड फ्रेंडशिप' का प्रोडक्शन हुआ। एक सूत्र के अनुसार 1949 में पहली अफगान फिल्म भारत में बनी और इसके बाद काबुल में कुछ केंद्र भारतीय फिल्म दिखाने लगे। शाह अमानोल्ला ने 1966 में अमेरिका की सहायता से अफगान फिल्म सिनेमेटिक सेंटर स्थापित किया और इस तरह अफगानिस्तान में सुसंगठित तरीके से फिल्म बनाने का कार्य प्रारंभ हुआ। मगर 1978 में कम्युनिस्ट तख्तापलट के बाद अमेरिकी सहयोग पूरी तरह रुक गया तथा रूस की सहायता प्राप्त होने लगी।

सरकारी फिल्म सेंटर स्थापित होने के साथ वहां डॉक्यूमेंट्री बननी शुरू हुई। शूटिंग के बाद की प्रक्रिया के लिए रील भारत, इंग्लैंड, सोवियत यूनियन भेजी जाती। फिल्में फारसी (दारी) अथवा पश्तो भाषा में बन रही थीं। 1970 में एक बार सरकार ने सिनेमा–त्रयी दिखाई। इसमें 'तलबगार', 'शब ए जुमा' तथा 'द स्मगलर्स' तीन फिल्में 'द टाइम्स' शीर्षक के अंतरगत दिखाई गईं। तीनों फिल्मों को बनाने वाले तथा अभिनेता भिन्न थे। पहली 'तलबगार' (स सूटर) 39 मिनट लम्बी फिल्म में एक दुष्ट आदमी एक लड़की का शादी के लिए हाथ पाने हेतु तमाम जतन करता है मगर उसका छल लड़की के परिवार के सामने खुल जाता है।

31 मिनट की दूसरी फिल्म एक आदमी तथा उसकी होने वाली पत्नी के परिवार के बीच एक डिनर के इंतजाम को लेकर चलने वाले नाटक से संबंधित है। तीसरी फिल्म इनमें सबसे लंबी थी और जैसा कि नाम है यह एक स्मगलर गैंग के बारे में है, जो एक बड़ा प्लान बना रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय पुलिस उसे असफल कर देती है। इन फिल्मों की विशेषता थी कि ये अफगानिस्तान सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रड्यूस की गई थीं। आठवें दशक में इंजीनियर लतीफ, हुमायूं मोरोवत, सदीग बारमाक, अहद जोवन जैसे सिने–निर्देशक अफगानिस्तान में हुए। इंजीनिरिंग की पढ़ाई करने के कारण लतीफ को यह नाम मिला। उनका असली नाम अब्दुल लतीफ अहमदी है। 1950 में काबुल में जन्मे लतीफ अफगानिस्तान का सर्वाधिक प्रसिद्ध सिने–निर्देशक है। वे निर्देशन के अलावा लेखन तथा सिनेमाटोग्राफर हैं। उनकी 'परिंदे है महाजिर' तथा 'सबूर, द सोल्जर' फिल्म को नामांकन मिला था। निर्देशक, लेखक हुमायूं मोरोवत की फिल्मों के नाम 'द ग्रीन कोल' (1990), 'एन अप्पल फ्रॉम पैराडाइज' (2010) तथा 'फ्लाइट विदआउट विंग्स' (2014) हैं। अफगानिस्तान में भारतीय फिल्म प्रेमी हैं, मगर वहां सिनेमा हाल में भारतीय फिल्म नहीं दिखाई जाती है। हां, लोग अंडरग्राउंड वीडियो पार्लर में इन्हें खूब देखते हैं। दूसरी ओर अफगान संगीत का प्रभाव भारतीय संगीत पर है। इस सदी की बात करें तो मरियम घानी अफगान सिने–संसार में एक बड़ा नाम है।

इस विजुअल आर्टिस्ट, लेखक, लेक्चरर, प्रड्यूसर, फिल्म मेकर ने 2019 में फिल्म 'व्हाट वी लेफ्ट अनफिमिश्ड' बनाई है। एक घंटा ग्यारह मिनट की यह फिल्म उनकी पहली फीचर फिल्म है। यह फिल्म कम्युनिस्ट शासन (1978–1991) के दौरान अफगानिस्तान में फिल्म बनाने की कहानी कहती है, जिसमें पांच ऐसी फिल्मों को लिया गया है, जिनके बनाते समय इन्हें बनाने वालों की जिंदगी पर बन आई थी। वे सत्ता के निशाने पर थे, मगर फिल्म बनाने का काम पागलपन के साथ कर रहे थे। ये पांच फिल्में हैं, 'दि एप्रिल रिवोल्यूशन', 'डाउनफॉल', 'द ब्लैक डाइमंड', 'रॉन्ग वे' तथा 'एजेंट'। मरियम घानी शॉट फिल्म भी बनाई 22 मिनट की 'ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ कोलाप्सेस' (2012) एवं 'द फायर दिस टाइम' (2022)।

अफगानिस्तान में कभी बड़ी मात्रा में फिल्में नहीं बनीं। फिल्म निर्माण में यहां बार–बार बाधाएं आती रहीं। एक समय यहां 'द फोरबिडेन रील', 'ए फ्लिकरिंग ट्रुथ' जैसी फिल्में बनीं। इस सदी की यहां बनने वाली अच्छी और प्रसिद्ध फिल्मों में से एकाध को देखना रोचक होगा। 2011 में एक डॉक्यूमेंट्री आई 'चिल्ड्रेन ऑफ काबुल'। 25 मिनट की इस फिल्म को जॉन बौघर ने बनाया था। इसमें युद्ध से क्षत–विक्षत अफगानिस्तान की सड़कों और बाल श्रमिकों की त्रासदी को परदे पर दिखाया गया है। ओमिद, सैनबार, यास्मिन तथा फैयाज को परिवार की आय केलिए कार धो रहे हैं, कचड़ा बीन रहे हैं, लोहा पीट रहे हैं, खाना बेच रहे हैं। युद्ध और आर्थिक कठिनाइयों को बच्चे झेल रहे हैं। देश का भविष्य कैसा होगा? यही इस फिल्म का प्रतिपाद्य है।

# जिला स्तरीय माध्यमिक शैक्षिक ताइक्वांडो प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नारसन,हरिद्वार। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लिब्बरेहेरी नारसन के प्रांगण में जिला स्तरीय शैक्षिक ताइक्वांडो प्रतियोगिता अंडर 14, 17 , 19 वर्ग के प्रतिभावान बालक बालिकाओं ने भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधानाचार्य पर भारत वीर मलिक ने किया उन्होंने अपने संबोधन में उपस्थित प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके उज्जवल के लिए शुभकामनाएं दी तथा अनुशासन के महत्व के बारे में जानकारी दी

अंडर 14 बालिका वर्ग में अंजलि, खुशी , ईशानुर, वंशिका ने अपना स्थान बनाया। अंडर 17 बालिका वर्ग में तनु, अंजलि, सिमरन, आरजू आरजू तथा शबनूर ने अपना स्थान बनाने में सफलता प्राप्त की।

जूनियर वर्ग बालक में रजनीश, नैतिक, संपन्न तथा जतिन ने अपना स्थान प्राप्त किया।

प्रतिभावान खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से उपस्थित खेल प्रेमियों का मन मोह लिया।

ब्लॉक खेल समन्वयक पवन राना ने प्रतियोगिता में संपन्न कराने हेतु सभी का आभार प्रकट किया।

निर्णायक की भूमिका में प्रीति सैनी तथा अलीशा चौधरी ने निष्पक्ष तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने दायित्वों का शानदार निर्वाह किया।

आयोजन को सफल बनाने में प्रमोद कुमार चंद्र कुमारी दीपा आदि खेल प्रेमियों का योगदान रहा।

अंत में प्रतियोगिता के समापन पर प्रधानाचार्य भारत वीर मलिक ने उपस्थित खिलाड़ियों तथा सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

# खरगे के फोन कॉल के बाद बदले सपा नेताओं के तेवर, राम गोपाल बोले- कमलनाथ मेरे दोस्त

लखनऊ (संवाददाता)। मप्र में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच चल रहा वाकयुद्ध अब रुकने जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे के फोन कॉल के बाद सपा नेताओं के तेवर बदल गए हैं। कल तक कांग्रेस को कोसने वाले नेता अब इस बारे में बात करने से बच रहे हैं। सूत्रों के अनुसार पहले राहुल गांधी ने अपना संदेश अखिलेश को पहुंचाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खरगे ने खुद ही अखिलेश से बात की। ऐसा माना जा रहा है कि मप्र में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन हो सकता है। सपा के एक नेता नाम ना छापने की शर्त पर कह रहे हैं कि पार्टी ने भले ही मप्र में सीटें घोषित कर दी हों लेकिन यदि गठबंधन होता है तो हम अपने प्रत्याशी वापस ले लेंगे। अभी नाम वापस लेने का विकल्प खुला हुआ है। बीते दिनों कमलनाथ का एक बयान वायरल हो रहा था। इस बयान में कमलनाथ यह कहते दिख रहे थे कि कौन अखिलेश वखिलेश। इस बयान को सपा प्रमुख ने गंभीरता से लिया था। इसके बाद उनकी तरफ से तल्ख टिप्पणी भी आई थी। सपा के नेता भी इस बयानबाजी में कूद पड़े थे। अब इस मसले को ठंडा करने की कोशिशें हो रही हैं। सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव ने कहा कि कमलनाथ तो मेरे दोस्त हैं। उनसे किसी प्रकार की खटास नहीं है। मालूम हो कि राम गोपाल यादव अखिलेश के करीबी हैं। मप्र में सीटों के बंटवारे को लेकर सोमवार को लखनऊ के प्रदेश के मुख्यालय में बैठक चल रही है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के दखल देने के बाद पार्टी नए सिरे से मप्र के हालातों पर विचार कर रही है। संभव है कि सोमवार की शाम ही इस पर कुछ फैसला हो जाए। मध्य प्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच सीटों को लेकर काफी समय से वार्ता चल रही थी। शुरुआती बातचीत इंडिया गठबंधन में सपा के प्रतिनिधि जावेद अली खान ने की। इसके बाद साझेदारी पर बातचीत की कमान सपा की ओर से प्रो. रामगोपाल यादव और कांग्रेस की ओर से रणदीप सुरजेवाला ने संभाली। दोनों के बीच कई राउंड बातचीत हुई। सपा नेतृत्व को बताया गया कि नवरात्र में कांग्रेस की ओर से आने वाली पहली सूची में ही सपा प्रत्याशियों के नाम भी होंगे। सपा का कहना है कि गठबंधन के तहत छह सीटें उसे देने की बात हुई थी। हालांकि, सपा ने दो सीटें और मांगी थीं। सपा मुख्यालय पर हुई मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ बैठक में भी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के संकेत दिए गए। अखिलेश यादव ने यह समीक्षा भी की कि कौन प्रत्याशी जिताऊ स्तिथि में है और कहां ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। सपा मध्य प्रदेश में कुल 33 प्रत्याशियों की सूची जारी कर चुकी है। गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने के बारे में सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी से संपर्क किए जाने पर उन्होंने कहा कि सपा की लड़ने वाली सीटें घट–बढ़ सकती हैं, लेकिन पूरी स्थिति वह सोमवार को ही स्पष्ट करने की स्थिति में होंगे।

# निजी हाथों में सौंपी गई बसों की मरम्मत की जिम्मेदारी, कूलिंग, ब्रेक फेल की घटनाएं सबसे ज्यादा

लखनऊ (संवाददाता)। रोडवेज निजीकरण की तरफ बढ़ रही है। 19 डिपो में बसों की मरम्मत का काम निजी हाथों में सौंपने का फैसला लिया गया है। इसमें लखनऊ का अवध डिपो भी शामिल है। दरअसल, हाल ही में निदेशक मंडल की बैठक हुई थी, जिसमें इस निर्णय पर मुहर लगाई गई है। ऐसे में अब 19 क्षेत्र के एक–एक डिपो में बसों की मेंटीनेंस का काम आउटसोर्सिंग द्वारा कराया जाएगा। इससे बसों की बेहतर मेंटीनेंस की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे यात्रियों की शिकायतों पर विराम लग सकता है। लखनऊ परिक्षेत्र के तहत एसी जनरथ बसों की मेंटीनेंस अवध बस डिपो में होती है, जिसकी जिम्मेदारी प्राइवेट फर्म संभालेगी। रोडवेज के कर्मचारियों की जगह प्राइवेट फर्म के मैकेनिक यह काम देखेंगे। अभी तक एसी कूलिंग ठप होने से लेकर स्टीयरिंग, ब्रेक आदि फेल होने की शिकायतें आती रही हैं, जिससे यात्रियों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता था। यह हाल तब था, जब डिपो को दो–दो करोड़ रुपये बसों की मरम्मत के लिए दिए गए थे। पर, शिकायतों को नहीं रोका जा सका। एसी जनरथ बसों की मरम्मत का काम निजी हाथों में सौंपने से यात्रियों की शिकायतें काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है। रोडवेज अफसरों ने बताया कि लखनऊ के अवध डिपो के अतिरिक्त अयोध्या का सुल्तानपुर डिपो, प्रयागराज का जीरो रोड, आजमगढ़ का बलिया डिपो, गोरखपुर का देवरिया डिपो, वाराणसी का कैंट डिपो, चित्रकूट का बांदा डिपो, देवीपाटन का बलरामपुर डिपो, आगरा का ताज डिपो, गाजियाबाद का साहिबाबाद डिपो, मेरठ का सोहराब गेट डिपो, सहारनपुर का छुटमलपुर डिपो, अलीगढ़ का एटा डिपो, मुरादाबाद का नजीबाबाद डिपो, बरेली का बदायूं डिपो, हरदोई का हरदोई डिपो, इटावा का इटावा डिपो, कानपुर का विकास नगर डिपो और झांसी डिपो निजी हाथों में जाएगी। इससे बसों की बेहतर मेंटीनेंस की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे यात्रियों की शिकायतों पर विराम लग सकता है। लखनऊ परिक्षेत्र के तहत एसी जनरथ बसों की मेंटीनेंस अवध बस डिपो में होती है, जिसकी जिम्मेदारी प्राइवेट फर्म संभालेगी।

# प्रदेश के सभी 24 हजार मदरसे एसआईटी के रडार पर, विदेश से गैर कानूनी तरीके से पैसा आने का शक

लखनऊ (संवाददाता)। वदेशी फंडिंग की जांच को गठित एसआईटी के रडार पर प्रदेश के सभी 24 हजार मदरसे हैं। इनमें से 16 हजार पंजीकृत हैं, जबकि बाकी आठ हजार अवैधा हैं। एसआईटी सबसे पहले नेपाल सीमा पर बीते दो दशकों के दौरान बने नये मदरसों की जांच करेगी। एसआईटी की पहली बैठक में इस पर सहमति बनी है। यह भी तय किया गया है कि जिन मदरसों में विदेश से पैसा भेजा जा रहा है, उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। बता दें कि शासन के निर्देश पर प्रदेश के मदरसों में विदेशी फंडिंग की जांच के लिए एडीजी एटीएस मोहित अग्रवाल की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की गई है, जिसमें एसपी साइबर क्राइम प्रो. त्रिवेणी सिंह और निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण जे. रीभा को सदस्य बनाया गया है। एसआईटी के रडार पर इनमें से अधिकतर भारत–नेपाल सीमा पर बीते दो दशकों के दौरान विदेशी फंडिंग की बदौलत खोले गये। इन मदरसों के जरिए टेरर फंडिंग होने की आशंका भी जताई जाती रही है। अब एसआईटी विदेशी फंडिंग के इस्तेमाल के हर पहलू को गहराई से खंगालने जा रही है। बैठक में मदरसों में विदेशी फंडिंग को लेकर पूर्व में दर्ज हुए मुकदमों के बारे में भी जानकारी ली गयी, जिसमें सामने आया कि फिलहाल इस तरह का कोई मुकदमा दर्ज नहीं है। अब जिन मदरसों में नियम विरुद्ध तरीके से

विदेशी फंडिंग का सुराग हाथ लगेगा, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर विवेचना भी कराई जाएगी। सूत्रों के मुताबिक नेपाल सीमा पर बने मदरसों के बारे में राजधानी स्थित केंद्रीय खुफिया एजेंसी आईबी के जोनल कार्यालय ने भी जानकारी एकत्र की थी, जिसकी सूचना केंद्रीय गृह मंत्रालय को दी गयी थी। इस रिपोर्ट में नेपाल सीमा पर बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों का जमावड़ा होने के साथ मदरसों, मजारों व मस्जिदों का बड़े पैमाने पर निर्माण होने की जानकारी भी दी गयी थी।

# केन्द्रीय मंत्री ने किया लोकार्पण

निघासन खीरी। लोकसभा क्षेत्र के गांव गौरिया में ग्यारह लाख सत्रह हजार लम्बाई 140 मीटर ,और महुआ में सात लाख अस्सी हजार लागत एक सौ दस मीटर सांसद निधि से बनी इंटरलॉकिंग का लोकार्पण गृहराज्यमंत्री व सदर विधायक योगेश वर्मा के द्वारा किया गया। इसके बाद सभा का आयोजन किया गया सभा को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री टेनी ने बताया की मोदी जी की लोकप्रियता को देख कर विपक्ष परेशान है देश में जितने भी ठग है मोदी जी का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं जितना ही विरोधा विपक्ष कर रहा है उतनी ही देश विदेश में में मोदी जी की लोकप्रियता बढ़ रही है 2014 से पहले गांव कैसा था ।

अब कैसा है इससे पता सभी को चल गया है पूर्वती सरकार में बिजली का सप्ताह होता था एक सप्ताह रात को एक सप्ताह दिन को बिजली मिलती थी और केन्द्रीय मंत्री ने सरकार की काफी जनकल्याणकारी योजनाओं का बखान किया। इस दौरान सांसद प्रतिनि दरवेश यादव, जसवंत प्रधान,बीरबल आदि काफी लोग मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम से पूर्व समस्त तैयारियां पूरी कर लें :-जिलाधिकारी

## मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए आवागमन के लिए आम लोगों के लिए दो तथा वीआईपी लोगों के लिए एक रास्ता बनवायें:- एम०पी० सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 02 नवम्बर को हरदोई की शाहाबाद तहसील मुख्यालय पर विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

आगामी 02 नवम्बर 2023 को तहसील शाहाबाद में प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के संभावित भ्रमण कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज पुलिस अधीक्षक केसी गोस्वामी के साथ मुख्यमंत्री जी की जनसभा एवं हेलीपैड स्थल चयन हेतु शाहाबाद के रामलीला मैदान तथा ग्राम उधारनपुर के रामलीला मैदान को देखने के बाद ग्राम उधरनपुर में ही एक अन्य स्थान पर पर्याप्त स्थल को देखकर हेलीपैड एवं जनसभा मंच बनाने के निर्देश पीडब्लूडी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को दियें।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह बब्बन एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष से कहा कि मुख्यमंत्री जी की सुरक्षा को देखते हुए आम लोगों के आवागमन के लिए दो तथा वीआईपी लोगों के लिए एक रास्ता बनवायें ताकि आवगमन में किसा प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हों। उन्होने निर्देश दिये कि जनसभा स्थल को लोडर से बराबर कराने के बाद मैटी डालकर कुर्सी डाली जाये और हैलीपैड एवं सड़क की निर्धारित समय में इंटर लाकिंग करायें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये मुख्यमंत्री जी के संभावित कार्यक्रम से पूर्व समस्त तैयारियां पूरी कर लें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, उप जिलाधिकारी शाहाबाद, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी व पश्चिमी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित पीडब्लूडी, नगर पालिका एवं अन्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहें।

# ओम प्रकाश राजभर बोले : नहीं चलेगा इंडिया गठबंधन, किसी का कोई सिद्धांत नहीं, सभी सिर्फ सीटें जीतने आए हैं

लखनऊ (संवाददाता)। ओम प्रकाश राजभर ने सपा और कांग्रेस के बीच मध्य प्रदेश चुनावों के लेकर सीट बंटवारे की रस्साकसी पर टिप्पणी की है। एएनआई से बात करते हुए राजभर ने कहा कि यह गठबंधन चलने वाला नहीं है। इस गठबंधन के सभी नेता सिर्फ सीटें जीतने के लिए साथ आए हैं। यह दो अलग–अलग विचारों के लोग हैं। सबको अधिक से अधिक सीटें चाहिए। बात यहां सिद्धांत की है ही नहीं। ओपी राजभर ने कहा कि सभी पार्टियां चुनावों में जीतने–हारने का दावा करती हैं। लेकिन जीतता वही है जिसे जनता वोट करती है। आप देख ही रहे हैं

कि देश की जनता किसे पसंद कर रही है। ओपी राजभर ने आजम खान की उस बात को भी निराधार बताया है जिसमें उन्होंने एनकाउंटर किए जाने की बात कही है। राजभर ने कहा कि सरकार सुरक्षा की दृष्टि से जेल का चुनाव करती है। एक जेल से दूसरी जेल में ट्रांसफर करती है। इसी प्रक्रिया के तहत जेल का बदलाव होता है। वह बात को गलत दिशा में ले जा रहे हैं।

# समर्थकों ने गलत दिन पर दी अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई, बताया देश का भावी पीएम

लखनऊ (संवाददाता)। अखिलेश यादव का जन्मदिन एक जुलाई को होता है। लेकिन उनके समर्थक ने आज उनको जन्मदिन की बधाई देने वाले पोस्टर सपा कार्यालय के बाहर लगवा दिया। यह पोस्टर शहर भर में सुखियां बटोर रहे हैं। इस बारे में जब सपा के नेताओं से बात की गई तो उन्होंने कहा कि आज अखिलेश का जन्मदिन नहीं है लेकिन समर्थक किसी भ्रम की वजह से उनका जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव का जन्मदिन जो कि एक जुलाई को होता है वह कुछ ही महीने पहले गुजर चुका है। आज पार्टी की ओर से किसी प्रकार का संदेश नहीं दिया है। ना ही ऐसा कोई आयोजन किया जा रहा है। सपा कार्यालय के बाहर लगे इन पोस्टरों में अखिलेश यादव को भावी पीएम को रुप में भी दिखाया गया है। उन्हें भविष्य का पीएम कहकर संबोधित किया गया। इस बारे में भी पार्टी प्रवक्ता ने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। सपा प्रवक्ता ने कहा कि यह समर्थकों का उत्साह है कि वह अपने नेता को किस रुप में देखें। हालांकि अखिलेश किसी तरह का जन्मदिन नहीं मना रहे हैं। वह हरिद्वार गए हुए हैं।सपा कार्यालय में लगे एक और पोस्टर में आगरा एक्सप्रेस को दिखाया गया है। इस पोस्टर में अखिलेश एक्सप्रेस की तरफ मुंह किए खड़े हैं। उसके पीछे जनता खड़ी हुई है। बदला है यूपी बदलेंगे देश थीम पर लगे इस पोस्टर की शहर में खूब चर्चाएं हो रही हैं।

# कैबिनेट मंत्री का छलका दर्द: मुझे कोख में मार दिया जाता तो मैं कैसे बनती राज्यपाल-मंत्री, बेटियां अब बोझ नही

लखनऊ (संवाददाता)। कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए सरकार की ओर से हर प्रभावी कदम उठाया जा रहा है। कन्या के जन्म लेते ही घर में लक्ष्मी आनी शुरू हो जाती है। बहुत जल्द ही सरकार की ओर से कन्या सुमंगला योजना के विस्तार की सौगात बेटियों को मिलेगी। इस योजना के तहत अगले साल से बेटियों को 15000 की जगह पर 25000 रुपये की धनराशि दी जाएगी। ये बातें रविवार को सर्किट हाउस में बातचीत के दौरान महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की कैबिनेट मंत्री व उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल बेबीरानी मौर्या ने कही। उन्होंने कहा कि बेटियों को कोख में मारने की प्रथा लगभग खत्म हो चुकी है। बेटियां बोझ न बन सकें इसके लिए सरकार की ओर से बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा व रोजगार तक की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश व केंद्र सरकार ले रही है। उन्होंने खुद का उदाहरण देते हुए बेटियो के शिक्षा व परवरिश पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर मुझे गर्भ में मार दिया जाता तो मैं राज्यपाल कैसे बन पाती। बेटी बेटों में भेद को खत्म कर समाज की सोच बदलनी होगी। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ योजना के तहत घर की शान बेटियों के नाम से नेम प्लेट लगाया जाएगा। भाजपा ही एक मात्र ऐसी पार्टी है जो महिलाओं का हित सोचती है। 33 फीसद सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करना, तीन तलाक जैसी कुरीतियों को खत्म करना, शिक्षा, रोजगार व नौकरी में महिलाओं को प्राथमिकता देने का कार्य भाजपा शासनकाल में ही संभव हो सका है।

# उम्र छिपाकर पहले बना सिपाही, फिर दरोगा बना, जांच में इस तरह से हुआ खुलासा, एफआईआर दर्ज

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी पुलिस के एक सिपाही ने उम्र कम दर्शाने के लिए दोबारा हाईस्कूल–इंटरमीडिएट परीक्षा पास की। फिर वह दरोगा के पद पर भर्ती हो गया। चुनार पुलिस प्रशिक्षण मिर्जापुर में ट्रेनिंग भी करने लगा। लेकिन एक गोपनीय शिकायत पर हुई विभागीय जांच में उसका फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। विभागीय जांच पूरी होने के बाद भर्ती बोर्ड की ओर से हुसैनगंज थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। एफआईआर के मुताबिक आगरा निवासी देवेंद्र सिंह यूपी पुलिस व पीएसी सीधी भर्ती–2018 में सिपाही के पद पर चयनित हुआ था। उसको फतेहगढ़ जिले में तैनाती मिली थी। इस बीच उसने 2020–21 में दरोगा भर्ती परीक्षा में आवेदन किया, उसमें वह चयनित हो गया। जिसके बाद उसे ट्रेनिंग पर भेजा गया। 23 मई को आगरा निवासी रंजीत सिंह नाम के एक शख्स ने भर्ती बोर्ड में दरोगा देवेंद्र सिंह के खिलाफ शिकायत की।

# पूर्व सी एम का हुआ जोरदार स्वागत

जंगबहादुरगंज खीरी। पनयी तिराहे पर पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश अखलेश यादव का हुआ जोरदार स्वागत। बताते चलें कि जंगबहादुर गंज खीरी सपा मुखिया अखिलेश यादव का पनयी तिराहे पर भव्य स्वागत किया गया हैं। कस्बा जंग बहादुरगंज बाईपास नेशनल हाईवे 30 पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। अखिलेश यादव ने हाथ मिलाते हुए बधाई दी। इस मौके पर भारी मात्रा में सपा नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं भीड़ में कुछ सपाई बोल रहे थे, कि अखिलेश यादव की गाड़ी मात्र एक मिनट ही रुक पायी। उन्होंने हाथ हिलाते हुए बिदाई ली।

# अवैध असलहा बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा

भीरा खीरी। गुरूवार को भीरा पुलिस ने एक अवैध असलहा बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। भीरा क्षेत्र में कई माह से सोशल मीडिया पर अवैध असलहों के साथ युवाओं के फोटो वायरल हो रहे थे, जिसको लेकर प्रश्नचिन्ह लग रहे थे कि क्षेत्र में असलहे कहां से आ रहे हैं? जिसके बाद पुलिस की लगातार कोशिश जारी थी। गौरतलब है कि बिजुआ क्षेत्र के गोंधिया गांव में चल रही असलहा बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा गया, जिसमें 4 लोगों को हिरासत में लिया गया। छापेमारी के दौरान शस्त्र बनाने में प्रयुक्त सामग्री के साथ–साथ आरोपियों के पास से नशीला पाउडर भी बरामद किया है। फिलहाल पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

# ग्रीनफील्ड अकेडमी में हुई विभिन्न प्रकार की झांकियां

लखीमपुर खीरी। ग्रीनफील्ड अकेडमी की श्याम नगर और महेवागंज शाखा में दशहरा व नारी शक्ति मिशन दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रामनवमी की विभिन्न प्रकार की झांकियां बच्चों का डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया गया। रामनवमी एवं दशहरा के अवसर पर बच्चों ने राम के जीवन से संबंधित विभिन्न प्रकार की झांकियो का मंचन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक प्रशांत मिश्र शैक्षिक निर्देशन आलोक मिश्र व प्रधानाचार्य केजी सक्सेना विपुल गुप्ता ने बच्चों के जीवन को स्वर्णिम मार्ग पर अग्रसर होने हेतु राम के जीवन के विभिन्न आदर्श से अवगत कराया कार्यक्रम के बाद महिला सशक्तिकरण दिवस में उपस्थित एलआरपी चौकी इंचार्ज जे पी यादव एवं महिला आरक्षी प्राची द्विवेदी, संगीता, दीपाली जी उपस्थित रहे।

# वासित नगर में राम वनवास, राम केवट संवाद, दशरथ मरण का उत्कृष्ट मंचन

हरदोई ।रामलीला मेला समिति वासित नगर के मंच पर विछोह और व्याकुलता के ऐसे ऐसे दृश्य दृष्टिगोचर हुए जिससे दर्शकों के हृदय द्रवित हो गए। मेला मैदान में माताओं बहनों बेटियों समेत बच्चों तक के नेत्र उस समय सराबोर हो गए, जब पर्दा उठा और राम वनवास का वरदान कैकेई ने राजा दशरथ से मांग लिया, परिणामस्वरूप राम के साथ सीता और लक्ष्मण के वनवास जाते ही राजमहल से लेकर सम्पूर्ण अयोध्या का वातावरण शोकाकुल हो गया। असामान्य परिस्थितियों में नर नारी अत्यंत संसयपूर्ण परिस्थिति में जहां लक्ष्मण को गुस्सा आया और उन्होने धनुहा उठाया तभी राम ने न केवल विछोहपूर्ण वातावरण में एक ओर लक्ष्मण को समझाया तो दूसरी ओर अपनी ओर बढ़ते हुए भावपूर्ण भाई भरत को सीने से लगाया। भातृ प्रेम का वह दृश्य देखकर दर्शकों के स्वाभाविक ही नयन छलक पड़े। बड़े बड़े पत्थर हृदय पिघलते परिलक्षित हुए। इतना ही नहीं श्रवण के अंधे माता पिता के श्राप से श्रापित तथा पुत्र वियोग में व्याकुल दशरथ की छटपटाहट पर दर्शकगण जड़वत प्रतीत हुए। सबके सब स्तब्ध दशा में दशरथ को देख रहे थे और उस समय सभामध्य बैठीं कुछ माताएं ही नहीं अपितु बहुत से वृद्ध पिता भी व्यथित थे, सम्भवतः वह वृद्ध पिता दशरथ मरण के मंचन के समय निज पुत्रों के आचरण या व्यवहार या विछोह से चिंतातुर थे। इसी तरह जीवंत मंचन के मध्य राम लक्ष्मण सीता सुमंत के दर्शन से मंत्रमुग्ध होने पर भी जब निषादराज मांगी नाव न केवट आना अर्थात नहीं आया और जब आया तो पग पखारने पर अड़ गया। यद्वपि पग पखार कर निषादराज ने वन गमन कर रहे राम को सीता लक्ष्मण सहित पार उतारा और अत्यंत व्यथित मंत्री सुमंत को अयोध्या प्रस्थान हेतु सहारा दिया परन्तु संध्या समय जैसे ही मंत्री सुमंत ने असाध्य अयोध्या में मरणासन्न दशरथ को राम के वनवास चले जाने और 14 वर्षों तक लौटकर न आने का संदेश सुनाया वैसे ही दशरथ को युवावस्था में दिया गया श्रवण के माता पिता का श्राप स्मरण हो आया और आनन –फानन उनका साक्षात मृत्यु से साक्षात्कार होने लगा तथा देखते ही देखते उनकी आत्मा पुत्र विछोह में छटपटाते छटपटाते परमधाम की ओर प्रस्थान कर गई। अंततः दशरथ के प्राण पखेरू उड़ते ही पर्दा गिर गया। और फिर लगभग प्रत्येक दर्शक जीवन की असमंजस स्थिति में विदीर्ण हृदय से मेला मैदान की धरती से धीरे धीरे अपने अपने घरों की ओर प्रस्थान कर गए।

इस श्री रामलीला उत्सव में मित्र परिवार के संयोजक अनुराग श्रीवास्तव, सदस्य शिव प्रसाद श्रीवास्तव,संदीप श्रीवास्तव,शिव चरण मिश्र,प्रभाकर बाजपेई,संतोष कुशवाहा,अनिल कुमार सिंह ,विधि प्रशिक्षार्थी सत्यम सक्सेना,संजय अग्निहोत्री,कमलेश यादव,मेला पदाधिकारी अनुज मिश्र,प्रबंधक प्रदीप मिश्र, अध्यक्ष राम मनोहर अग्निहोत्री,प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, अवनीश कुमार श्रीवास्तव, अखिलेश अग्निहोत्री, विनोद कुमार श्रीवास्तव, झुन्नी कश्यप,बाबू बाल्मीकि,राम निवास प्रजापति, अनमोल यादव एवं शिव सत्संग मण्डल के धर्म अध्यात्म प्रेरक अम्बरीष कुमार सक्सेना सहित सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे।

# नया परिक्रमा मार्ग को निरस्त कर पौराणिक सांस्कृतिक विरासत को कायम करके पुण्य के भागी बनें : डॉ. स्वामी भगवदाचार्य

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोंडा के तुलसी जन्मभूमि राजापुर एवं जम्बूद्वीप तीर्थ को अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में सम्मिलित करने का अभियान प्रारंभ प्राचीन पौराणिक अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा भगवान राम के समय से ही चली आ रही है। अयोध्या नगरी का दिव्य एवं भव्य सौंदर्यीकरण हो रहा है। भगवान श्री राम की पावन जन्मभूमि समग्र विश्व के आकर्षण का केंद्र बन चुकी है, परंतु दुर्भाग्य की बात है कि अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा से कुछ निहित स्वार्थी तत्वों ने इन स्थानों को हटवा दिया है। इसके साथ ही अपने फायदे के लिए नया स्थान को जुड़वा दिया है जिस पर आज तक कभी भी परिक्रमा नहीं थी । प्रतिवर्ष देश–विदेश के श्रद्धालु भक्तगण, साधु संतों, शोधार्थियों और पर्यटकों के द्वारा परिक्रमा की जाती है। 9 लाख वर्षों से चली आ रही पुरातन अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में जम्बूद्वीप तीर्थ और तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोंडा परिक्रमा में सम्मिलित था। यहां परिक्रमा के यात्रीगणों का पड़ाव और भोज भंडारा का कार्यक्रम होता था। गजट में प्रकाशित नया परिक्रमा मार्ग पर खंभे गड़ना शुरू हो गया है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास एवं सनातन धर्म परिषद ने अपने अभियान को तीव्र गति प्रदान कर दिया है । अतः श्री राम कुमार सोनी परसपुर, सांवल प्रसाद चौधरी तुलसी जन्मभूमि राजापुर, श्री अशोक कुमार सिंह राजापुर, श्री ओमप्रकाश पांडेय, डॉक्टर हनुमान प्रसाद दुबे जम्मू द्वीप, डॉक्टर ए. के. सिंह परसपुर श्री एस. रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर और जम्बूद्वीप को पूर्व की भांति अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में सम्मिलित कर जनमानस की भावना का सम्मान करते हुए नया परिक्रमा मार्ग को निरस्त कर पौराणिक सांस्कृतिक विरासत को कायम करके पुण्य के भागी बनें। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी। के. सिंह एडवोकेट, , विश्व साधु परिषद और अयोध्या विद्वत्परिषद् भी इस अभियान में सम्मिलित हो गया है। अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में सम्मिलित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, कैबिनेट सचिव सेक्रेटिएट नई दिल्ली तथा प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह,जिलाधिकारी गोंडा, अपर मुख्य सचिव राजस्व, अपर मुख्य सचिव पर्यटन, श्री चंपतराय अयोध्या, श्री लल्लू सिंह सांसद अयोध्या को अवगत कराया गया है कि अति शीघ्र श्री रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर और जम्बूद्वीप को पूर्व की भांति अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा में सम्मिलित कर जनमानस की भावना का सम्मान करते हुए नया परिक्रमा मार्ग को निरस्त कर पौराणिक सांस्कृतिक विरासत को कायम करके पुण्य के भागी बनें। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी।

# क्रॉसिंग रिपब्लिक में आरजेटी कैम्पस का हुआ उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नोएडा। दिल्ली एनसीआर में नोएडा स्थित क्रॉसिंग रिपब्लिक में आरजेटी कैंपस का आज विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके लिए सुबह सनातन विधि से विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया। इस मौके पर संस्थान प्रमुख काव्या त्रिवेदी ने कैंपस के बारे में बताते हुए कहा कि यह दिन इसलिए चुना क्योंकि आज ही के दिन भगवान राम ने असत्य पर सत्य की विजय प्राप्त की थी। इस संस्थान के माध्यम से मैं बच्चों के भविष्य के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर शुरू कर रहा हूं। जिसका आज हमने मां सरस्वती की आराधना के साथ किया है और इसीलिए इससे बढ़िया दिन और कोई नहीं हो सकता है। इसलिए मैंने इस दिन को चुना। हमारे यहां सातवीं से 12वीं तक के बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। यहां उन बच्चों को नीट एवं जेईई की तैयारी कराई जाएगी। इसके लिए यहां सारे फैकल्टी के साथ एक रिसर्च एंड डेवलपिंग विंग है, जो नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर स्टडी मैटेरियल तैयार किया गया है। सामग्री बाजार में उपलब्ध अन्य पाठ्यक्रम पाठ सामग्री से बिल्कुल ही अलग एवं रिसर्च आधारित है। यहां स्मार्ट क्लासरूम के माध्यम से बच्चों को शिक्षित किया जाएगा। शिक्षक स्मार्ट बोर्ड पर एवं पर्सनल इंटरेक्शन के तहत बच्चों को शिक्षित करेंगे। हमारे यहां पाठ्य सामग्री बच्चों के बीच वितरित कर उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाएगा। आरजेटी कैंपस इस क्षेत्र की एकमात्र ऐसी संस्थान है जिसमें बेसिक के साथ कॉम्पिटेटिव शिक्षा भी दी जाएगी। यहां नीट एवं जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम की खास तैयारी कराई जाएगी इसके लिए हमने हर संभव बेहतर शिक्षा का प्रयास किया है। चाहे वह शिक्षा सामग्री को लेकर के हो अथवा कैंपस के सुव्यवस्थित वातावरण को लेकर हो। इसलिए आरजेटी के तरफ से मैं सभी अभिभावकों को विजय दशमी की शुभकामना के साथ निवेदन करता हूं कि आप अपने बच्चों को यहां भेजें। विजय दशमी की बहुत बहुत शुभकामना।

# विजय दशमी के अवसर पर बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष विराज सागर दास ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

## दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व विराज सागर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं उ0प्र0 बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन विराज सागर दास ने शारदीय नवरात्रि, दशहरा, विजयदशमी के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख एवं समृद्धि की कामना की है।

विराज सागर दास ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि दशहरा का पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय एवं असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह पर्व समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने और सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। विराज सागर ने इसके साथ ही प्रदेशवासियों से अपील की है कि आज हमारे समाज को आवश्यकता है कि हम सिंगल यूज प्लास्टिक से भी इस दशहरे में बुराई मानते हुए दूर होने का संकल्प लें ताकि आने वाली हमारी पीढ़ी स्वस्थ और प्रसन्न रह सके।

# एण्टी रोमियो स्क्वायड व पैदल गस्त (फुट पेट्रोलिंग ) से सम्बन्धित की गयी कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में पुलिस महानिदेशक उ०प्र० के निर्देशन में प्रदेश में महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में कमिश्नरेट ध् जनपदों में गठित एण्टी रोमियो स्क्वायड द्वारा दिनांक 23.10. 2023 को कुल 6, 346 विद्यालय ध् स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों जैसे चौराहों, मार्केट, माल, पार्क एवं अन्य स्थानों पर 33,428 व्यक्तियों को चेक किया गया जिसमें 23 अभियोग पंजीकृत किये गये एंव 25 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 11,100 व्यक्तियों को चेतावनी दी गयी।

उक्त कम में प्रदेश के कमिश्नरेट /जनपदों में पैदल गस्त (फुट पेट्रोलिंग ) के सम्बन्ध में दिनांक 23.10.2023 को कुल 7,371 स्थानों पर गस्त / चेकिंग की गयी तथा कुल 42.100 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया गया, जिसमें कुल 67 अभियोग पंजीकृत कर 68 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, एंव 14 अवैध शस्त्र, 07 अवैध वाहन, 452 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी तथा 3,263 मनचलों लड़कों / शोहदों के अभिभावको को बुलाकर चेतावनी दी गयी एंव 1.758 अवैध अतिक्रमणों को हटवाया गया।

# भाजपा के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सम्मानित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) ग्राम भूराटीकुर में आयोजित भागवत कथा के अवसर पर ब्राह्मण परशुराम संगठित समाज संरक्षण विश्व फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाकांत पांडे का भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन द्वारा माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र देकर सम्मान किया गया। जिसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष रमाकांत पांडे द्वारा भगवान परशुराम के अस्त्र शास्त्र फरसा देकर पापियों के विनाशकी कामना की और ब्राह्मण के हितों को संरक्षण देने की बात राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन को अवगत कराया जिला अध्यक्ष द्वारा पूर्ण आश्वासन ब्राह्मण समाज के संरक्षण किए जाने हेतु जिला अध्यक्ष अजीत सिंह द्वारा दिया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा हरियावा सत्यनारायण मिश्रा मधुप शुल पाण मिश्रा जी अजय मिश्रा लाली अनिल शुक्ला उमेश पाठक रामबरन मिश्रा एडवोकेट आदि ब्रह्म समाज के लोग उपस्थित रहकर अजीत सिंह बब्बन को आशीर्वाद प्रदान किया।

# पिहानी के भूरेश्वर मंदिर में महाआरती : दिव्यतापूर्वक संपन्न की गई मातारानी की आरती

हरदोई। भूरेश्वर मंदिर पर में महाआरती दिव्यता पूर्वक संपन्न की गई। शंखध्वनि करते हुए दिव्य मंत्रों से महाआरती क्रम को पूर्ण किया गया।

मंदिर परिसर घंटों की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। इस दौरान मातारानी का विशेष श्रृंगार किया गया। जिनके दर्शनों के लिए श्रद्धालु लालायित रहे। आज मंगलवार दोपहर को भूरेश्वर मंदिर व भारतीय इंटर कॉलेज के सामने दुर्गा महोत्सव पंडाल की दुर्गा मूर्ति की विसर्जन शोभा यात्रा निकाली गई, जो कि नगर के प्रमुख मार्गो से होकर हरैया शारदा नहर पुल पहुंची। इस दौरान महिलाएं व पुरुष अपने–अपने हाथों में जलते हुए दीप लेकर आरती की ।दुर्गा पंडाल के दरबार में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहीं। भूरेश्वर मंदिर के महंत हरकिशोर द्विवेदी ने कहा कि हमें समर्पण भाव से संगठित होकर छुआछूत जातिवाद, वैमनष्यता से दूर रहते हुए समाज में जनजागरण के कार्यों को पूर्ण करना है। पुरुषार्थी बनकर अनीति अन्याय अधर्म के खिलाफ आवाज बुलंद करना है। समर्पित रहते हुए धर्म–राष्ट्र– मानवता की सेवा के लिए हर क्षण तत्पर रहना है। विजयलक्ष्मी ने कहा कि बहनों को शक्ति को जागृत करते हुए युग परिवर्तन में अपने जीवन को समर्पित करना है यह परिवर्तन का काल है, इतिहास साक्षी है कि युग परिवर्तन की यात्रा में नारी शक्ति का योगदान रहा है। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं शालू द्विवेदी ने देखी।

# पुरानी बैरक में रखे गए, एक बैरक में होंगे दो लोग, महीने में सिर्फ चार बार हो पाएगी मिलाई

लखनऊ (संवाददाता)। बेटा अब्दुल्ला आजम के फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में सात साल की सजा पाए सपा नेता आजम खां 17 माह बाद फिर सीतापुर जिला कारागार पहुंचे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार सुबह उन्हें कारागार तक लाया गया। इससे पहले सपा नेता आजम खां सीतापुर की जेल में करीब दो साल तीन महीने तक बंद रहें। 88 मुकदमें दर्ज करने के बाद फरवरी 2020 में उनको सबसे पहले जिला कारागार लाया गया था। उनकी पत्नी तंजीम फातिमा, बेटा अब्दुल्ला आजम भी कारागार लाए गए थे। हालांकि इस बार बेटे अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेज दिया गया है। वहीं आजम की पत्नी तंजीम फातिमा रामपुर की जेल में बंद हैं। जेल अधीक्षक एसके सिंह ने बताया कि आजम खां को उच्च सुरक्षा में रखा गया है। जेल में पांच पुरानी बैरकें हैं। उनमें से एक में ही उनको रोका गया है। एक बैरक में दो लोग रह सकते हैं। रविवार के दिन मिलाई बंद रहती है। इसलिए उनसे कोई नहीं मिल पाया है। नियम यह है।

# एण्टी रोमियो स्क्वायड व पैदल गस्त (फुट पेट्रोलिंग ) से सम्बन्धित की गयी कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देशन में प्रदेश में महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में कमिश्नरेट / जनपदों में गठित एण्टी रोमियो स्क्वायड द्वारा दिनांक 22.10. 2023 को कुल 6,273 विद्यालय ध् स्कूलों, सार्वजनिक स्थलों जैसे चौराहों, मार्केट, माल, पार्क एवं अन्य स्थानों पर 33,434 व्यक्तियों को चेक किया गया जिसमें 18 अभियोग पंजीकृत किये गये एंव 21 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया तथा 11,470 व्यक्तियों को चेतावनी दी गयी ।

उक्त क्रम में प्रदेश के कमिश्नरेट / जनपदों में पैदल गस्त (फुट पेट्रोलिंग ) के सम्बन्ध में दिनांक 22.10.2023 को कुल 6,930 स्थानों पर गस्त / चेकिंग की गयी तथा कुल 41,326 संदिग्ध व्यक्तियों को चेक किया गया, जिसमें कुल 102 अभियोग पंजीकृत कर 118 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया एंव 27 अवैध शस्त्र, 12 अवैध वाहन, 1,088 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी तथा 2,953 मनचलों लड़कों / शोहदों के अभिभावको को बुलाकर चेतावनी दी गयी एंव 1,471 अवैध अतिक्रमणों को हटवाया गया।

# फर्जी अंगूठा लगा छह साल में 14 बार बदली जांच, गोंडा में युवक के कत्ल के मामले की अब होगी उच्चस्तरीय तफ्तीश

लखनऊ (संवाददाता)। गोंडा के तरबगंज इलाके में वर्ष 2017 में दलित युवक की हत्या के मामले की जांच छह साल में फर्जी तरीके से 14 बार बदल दी गई। मृतक की पत्नी का फर्जी अंगूठा लगाकर प्रत्यावेदन देकर जांच ट्रांसफर कराने का खेल चलता रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी। इसकी शिकायत मुख्यमंत्री कार्यालय में होने पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने डीजी सीबीसीआईडी को पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक डीजी सीबीसीआईडी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। हैरानी की बात यह है कि जिला पुलिस और सीबीसीआईडी द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर अदालत ने कुर्की का आदेश भी दिया, इसके बावजूद जांच बदलने का खेल जारी रहा। गोण्डा के थाना तरबगंज पर वादिनी सुंदरपति ने अपने पति रमई की हत्या की एफआईआर 5 जून 2017 को दर्ज कराई थी। इसमें उसने राधेश्याम दुबे, विष्णुशंकर दुबे, कलूट, मोहर अली को नामजद कराया था। इस मामले की जांच सबसे पहले सीओ तरबगंज को सौंपी गई। विवेचना के दौरान ही एसपी गोण्डा के आदेश से जांच सीओ मनकापुर विजय आनंद को दे दी गई। कुछ दिन बाद विवेचना सीओ मनकापुर से सीओ तरबगंज ब्रह्म सिंह को मिल गई। बार–बार जांच बदलने की शिकायत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति–जनजाति आयोग में होने पर आईजी जोन गोरखपुर के आदेश पर विवेचना बस्ती जिले के सीओ हरैया सतीश चंद्र शुक्ला को दी गई। फिर यह बस्ती के सीओ कलवारी अरविंद कुमार वर्मा को सौंप दी गई। तत्पश्चात आईजी गोरखपुर जोन ने जांच बहराइच जिले के सीओ नानपारा सुरेंद्र कुमार यादव और फिर सीओ बहराइच विजय प्रकाश सिंह से कराने का आदेश दिया। वहीं 27 अगस्त 2018 को एससी–एसटी आयोग ने जांच सीबीसीआईडी से कराने का आदेश जारी कर दिया। आयोग के आदेश के बाद डीजी सीबीसीआईडी ने डिप्टी एसपी प्रमोद कुमार को जांच आवंटित कर दी है। तत्पश्चात सीबीसीआईडी, गोरखपुर सेक्टर के डिप्टी एसपी आशापाल सिंह, एएसपी अखिलेश्वर पांडेय, एएसपी राजेश कुमार भारती, एएसपी डॉ. कृष्ण गोपाल को जांच की जिम्मेदारी देने का सिलसिला चलता रहा। एएसपी डॉ. कृष्ण गोपाल ने जांच में पुख्ता प्रमाण के आधार पर अदालत में चार्जशीट दाखिल करने की संस्तुति करते हुए अंतिम आख्या प्रस्तुत की। इसे आईजी, सीबीसीआईडी ने 31 मई 2022 को मंजूर करते हुए शासन को भेज दिया। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई बार दबिश दी गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरोपियों की गिरफ्तारी का जिम्मा नवागंतुक एएसपी रचना मिश्रा को दिया गया।

आरोपियों के खिलाफ अदालत से गैर जमानती वारंट और कुर्की का आदेश होने के बावजूद शासन में सुंदरपति के फर्जी दस्तखत कर जांच बदलने का प्रत्यावेदन दिया गया, इस पर जांच रचना मिश्रा से लेकर सीबीसीआईडी, लखनऊ सेक्टर के एएसपी लल्लन प्रसाद को आवंटित कर दी गई। तत्पश्चात डीजी सीबीसीआईडी ने 30 मार्च 2023 को यह जांच लल्लन प्रसाद से लेकर प्रयागराज सेक्टर के एएसपी समीर सौरभ के सुपुर्द कर दी गई।

# डॉक्टर नहीं तैनात, फार्मासिस्ट करते इलाज

सीतापुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में अब सिर्फ कोरम पूरा किया जा रहा है। लहरपुर के चार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में किसी पर भी डॉक्टर की तैनाती नहीं है। फार्मासिस्ट ही मरीजों का इलाज कर रहे हैं। इसी वजह से अब मरीजों का भरोसा उठता जा रहा है। इन केंद्रों पर अब इक्का–दुक्का ही मरीज आते हैं। क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरा पर लगे जन आरोग्य मेले में डॉक्टरों के अभाव में फार्मासिस्ट वीरेंद्र विक्रम सिंह ने 26 मरीजों का चेकअप कर उन्हें दवाइयां दीं। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से बीमार तीन मरीजों को सीएचसी लहरपुर रेफर कर दिया गया है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।